राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 21 सितम्बर 2023 वर्ष–6,अंक–241 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त

पोन्नियन सेल्वन एक्ट्रेस तृषा कृष्णन करेंगी शादी

पोन्नियन सेल्वन एक्ट्रेस तृषा किष्णन जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। खबरें हैं कि आने वाले दिनों में एक्ट्रेस अपनी शादी की अनाउंसमेंट कर सकती हैं। बताया जा रहा है कि तृषा के होने वाले लाइफ पार्टनर मलयालम फिल्मों के प्रोड्यूसर हैं। हालांकि, वह कौन हैं इसे लेकर कोई अपडेट नहीं है। बीते दिनों एक इंटरव्यू के दौरान तृषा से उनकी शादी को लेकर सवाल किया गया था। इस पर एक्ट्रेस ने कहा था कि उन्होंने अभी तक इसके बारे में सोचा नहीं है। वो शादी नहीं करना चाहती हैं, क्योंकि इसके बाद उनपर एक जिम्मेदारी आ जाएंगी। तृषा ने बताया कि उनके कई दोस्त हैं, जिन्होंने शादी की है और वो अपनी जिंदगी में बहुत खुश हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि शायद उन्हें अभी तक अपना सही लाइफ पार्टनर नहीं मिला है, ऐसे में वह अभी शादी करने के बारे में नहीं सोचती हैं। इससे पहले तृषा ने 23 जनवरी 2015 को बिजनेसमैन और प्रोड्यूसर वरुण मनियन से सगाई की थी। हालांकि, कुछ महीनों बाद ही दोनों ने अपनी सगाई तोड़ दी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सगाई के बाद से ही तृषा और वरुण के बीच काफी मदभेद रहे थे, जिसके चलते यह रिश्ता ज्यादा समय तक चल नहीं सका।

दो स्टेशनों पर लोग ट्रैक पर उतरे, कुड़मी समाज को एसटी में शामिल करने की मांग

रांची। झारखंड में कुड़मी समाज के लोग आंदोलन कर रहे हैं। वे कुड़मी समाज को अनुसूचित जनजाति (एसटी) में और कुड़माली भाषा को संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करने की मांग कर रहे हैं। बंगाल में हाईकोर्ट के दखल के बाद आंदोलन वापस ले लिया गया है, लेकिन झारखंड में प्रदर्शन तेज है। मुरी और गोमो स्टेशन पर लोग ट्रैक पर उतर आए। वहीं, आंदोलन की शुरूआत से पहले रेलवे सतर्क है। अब तक तीन ट्रेनों को रद्द किया गया है। कई जिलों में इसका असर दिखने लगा है। सरायकेला-खरसावां के नीमडीह स्टेशन के पास भारी संख्या में कुड़मी समाज के लोग जुटे। पश्चिमी सिंहभूम के सोनुआ थाना के पास पुलिस से कुछ लोगों के झड़प की भी खबर है। सोनुआ से भी सैकड़ों महिला-पुरुष छोटे बड़े वाहनों में सवार होकर घाघरा की तरफ बढ़ रहे हैं। लोगों के प्रदर्शन को लेकर प्रशासन चौकस है। आंदोलन के चलते गोमो स्टेशन पर धनबाद से होकर चलने वाली करीब 60 ट्रेनों पर असर पड़ सकता है। इनमें हावड़ा और सियालदह राजधानी के साथ कोलकाता, सियालदह, आसनसोल और अन्य स्टेशन से खुलने वाली ट्रेनें शामिल हैं। तीन राज्यों में कुड़मी समाज के लोगों का यह तीसरी बार हो रहा है। केंद्र से उनकी मांग है कि उन्हें आदिवासी का दर्जा दिया जाए। फिलहाल ये लोग ओबीसी वर्ग के दायरे में आते हैं। संगठनों की मानें तो यह समुदाय झारखंड का है, लेकिन यहीं के लोग इन्हें स्वीकार नहीं करते। बंगाल और ओडिशा में भी कुड़मी वर्ग की बड़ी आबादी है। ऐसे में उन्हें अनुसूचित जनजाति में शामिल किया जाए। एक अनुमान के मुताबिक, झारखंड में कुड़मी समाज के लोगों की आबादी 22 प्रतिशत है। कुड़मी समाज के लोगों ने बंगाल में आंदोलन वापस ले लिया है। बंगाल में समाज के प्रमुख नेता अजीत प्रसाद महतो ने कहा कि हम पर दबाव बनाया गया है। हाईकोर्ट की राय और वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए बंगाल में आंदोलन वापस ले लिया जा रहा है।

मणिपुर में 5 मैतेई युवा गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने शनिवार 16 सितंबर की रात को सेना की वर्दी पहनकर पुलिस शस्त्रागार से हथियार लूटने के आरोप में पांच मैतेई युवाओं को गिरफ्तार किया है। इनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत आरोप लगे हैं। उधर, इंफाल में आरोपियों की रिहाई की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। मैतेई महिलाओं के एक समूह मीरा पैबिस और पांच स्थानीय क्लबों ने 19 सितंबर को दो दिन का बंद बुलाया था। जिसके चलते राज्य के लोगों को परेशानी हो रही है। पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों को पास दो राइफलें,128 राउंड से अधिक गोला-बारूद बरामद हुआ है। इन्होंने मई और जून में पुलिस शस्त्रागार से हथियार लूटे थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से एक की पहचान मोइरंगथेम आनंद सिंह के रूप में हुई है, जो केसीपी के एक गुट में जाने से पहले प्रतिबंधित विद्रोही संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के कैडर में था। उसे पहले भी राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 के तहत कई बार गिरफ्तार किया जा चुका है।

'दो कौड़ी के नेता पर कमेंट नहीं करता': धीरेन्द्र शास्त्री

स्वामी प्रसाद के बयान पर भड़के धीरेंद्र शास्त्री

मथुरा। "ये रावण के खानदान के लोग हैं। हम किसी दो कौड़ी के राजनेता पर कमेंट नहीं करते। धूर्त लोग हैं, खिसियाई बिल्ली खंभा नोचे जैसा हाल हैं। विचारों पर कोई उपचार बचा नहीं। हिंदू जाग रहा है। हिंदू एक हो रहा है। संत एक मंच पर आ रहे हैं। हिंदू राष्ट्र होकर रहेगा।" यह बात बुधवार को बागेश्वर धाम महाराज धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने वृंदावन में कही। उनसे पूछा गया था कि स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा था कि फारसी उर्दू में हिंदू का मतलब चोर होता है, यह कितना सही है? दरअसल, आज ऋषि पंचमी के मौके पर वृंदावन के मलूक पीठ आश्रम में सप्त ऋषि पूजन हो रहा है। इसमें देश के 7 बड़े संतों का पूजन किया जा रहा है। बागेश्वर धाम महाराज धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भी यहां पहुंचे हैं। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा,"ब्रजक्षेत्र में मदिरा बिक्री बंद हो जाए, तो ब्रज भूमि पवित्र हो जाए। मैं सप्त ऋषि के दर्शन के लिए पावन भूमि पर आया हूं।" श्रीकृष्ण जन्मभूमि के विवाद पर पूछे गए सवाल पर बोले, "राम मंदिर बन गया, अब श्रीकृष्ण जन्मभूमि की तैयारी है।" इस आयोजन में विश्व हिन्दू परिषद के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक दिनेश जी पहुंचे। उन्होंने कहा, "22 जनवरी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम देश भर में होगा। आश्रम, मंदिर, गली-मोहल्लों में इसका लाइव प्रसारण होगा। इस दौरान साधु-संत भी मौजूद रहेंगे।" उन्होंने कहा, "रामलला के दर्शन के लिए 26 जनवरी के बाद भक्त पहुंचें। देश के हर व्यक्ति को 26 जनवरी से 16 फरवरी तक भ्रमण कराया जाएगा।

लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पर चर्चा

लोकसभा में सोनिया ने कहा: बिल राजीव लाए थे, भाजपा सांसद बोले: ये सिर्फ पीएम का, जिसका गोल उसी का नाम

नई दिल्ली। संसद के विशेष सत्र का आज बुधवार को तीसरा दिन है। दोनों सदनों की कार्यवाही जारी है। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन विधेयक) पर डिबेट शुरू हो गई है। सबसे पहले कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने सदन को बिल के बारे में बताया। उनके बाद कांग्रेस की ओर से सोनिया गांधी ने 10 मिनट तक अपनी बात कही। सोनिया ने कहा, 'स्थानीय निकायों में महिलाओं को आरक्षण देने वाला कानून मेरे पति राजीव गांधी लाए थे, जो राज्यसभा में 7 वोटों से गिर गया था। बाद में पीवी नरसिम्हा राव की सरकार ने उसे पास करवाया। इसी का नतीजा है कि देशभर के स्थानीय निकायों में 15 लाख चुनी हुई महिला नेता हैं। राजीव का सपना अभी आधा ही पूरा हुआ है, यह बिल पास होने से सपना पूरा हो जाएगा।

उन्होंने आगे कहा- कांग्रेस की मांग है कि बिल को फौरन अमल में लाया जाए। सरकार को इसे परिसीमन तक नहीं रोकना चाहिए। इससे पहले जातिगत जनगणना कराकर इस बिल में SC-ST और OBC महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था की जाए। इसके बाद भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि ये सिर्फ पीएम मोदी का बिल है, जिसका गोल उसी का नाम आना चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री और हमारी पार्टी ये बिल लेकर आई है तो इनके पेट में दर्द हो रहा है। भाजपा की ओर से निर्मला सीतारमण, स्मृति ईरानी, दीया कुमारी भी अपनी बात रखेंगी। यह डिबेट शाम 6 बजे तक चलेगी। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी भाषण दे सकते हैं। डीएमके की ओर से एमके कनिमोझी बोलने खड़ी हुईं। सत्ताधारी सदस्यों ने नारेबाजी शुरू की तो एनसीपी की सुप्रिया सुले ने विरोध किया। दोनों महिला सांसदों ने स्पीकर से कहा कि बीजेपी के लोग महिलाओं की यही इज्जत करते हैं। फिर सदन में शांति छा गई। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि यहां इतने पुरुष मौजूद हैं, उनकी वजह महिला है। अगर महिला नहीं होतीं, तो पुरुषों का अस्तित्व ही नहीं होता। मुझे लग रहा था कि सोनिया गांधी राजनीति से उठकर बोलेंगी। महिला आरक्षण के लिए गीता मुखर्जी और सुषमा स्वराज ने सबसे ज्यादा आवाज उठाई। सोनिया ने उनका नाम नहीं लिया। सोनिया इस बिल का क्रेडिट लेना चाहती हैं। टीएमसी सांसद काकोली घोष ने कहा, 'हम इस बिल का समर्थन करते हैं। पश्चिम बंगाल देश का एकमात्र राज्य है, जहां महिला सीएम है, जबकि बीजेपी की 16 राज्यों में सरकार है, इसके बावजूद एक भी महिला मुख्यमंत्री नहीं है। लोकसभा में टीएमसी की 40% महिला सांसद हैं। जेडीयू के सांसद ललन सिंह ने कहा कि ये 2024 का चुनावी जुमला है।

'भाइयों को बोलने का अधिकार': महिला आरक्षण बिल पर चर्चा के दौरान ऐसा क्यों बोले अमित शाह

नई दिल्ली। लोकसभा में बुधवार को हंगामे के बीच एक ऐसा वाक्या हुआ, जिसने सभी का ध्यान खींच लिया। दरअसल, संसद के विशेष सत्र के तीसरे तीन महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा हो रही थी। विधेयक पर चर्चा में भाग लेने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के निशिकांत दुबे जैसे ही खड़े हुए तो विपक्ष के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया और किसी महिला सांसद के नहीं बोलने पर आपत्ति जताई, जिस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि महिलाओं के बारे में भाइयों को भी आगे बढ़कर सोचना चाहिए। निचले सदन में ह्यसंविधान (128वां संशोधन) विधेयक, 2023ह्ल पर चर्चा की शुरूआत कांग्रेस की नेता सोनिया गांधी ने की। इसके बाद जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भाजपा सदस्य निशिकांत दुबे का नाम लिया और उन्होंने बोलना शुरू किया तो कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के सदस्य शोर-शराबा करने लगे। विपक्षी दल महिलाओं को अधिकार देने से जुड़े विधेयक पर चर्चा में सत्ता पक्ष के प्रथम वक्ता के रूप में किसी महिला सदस्य को मौका नहीं दिए जाने पर आपत्ति जता रहे थे। गृह मंत्री शाह ने इस पर कहा कि महिलाओं के बारे में चिंता करने का अधिकार सभी को है। उन्होंने सदन में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी का नाम लेते हुए पूछा कि क्या महिलाओं की चिंता केवल महिलाएं ही करेंगी।

1984 सिख दंगा मामले में कांग्रेस नेता सज्जन कुमार बरी

नई दिल्ली। 1984 सिख दंगों से जुड़े दिल्ली के सुल्तानपुरी में 3 लोगों की हत्या मामले में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को राउज एवेन्यू कोर्ट ने बरी कर दिया है। सुल्तानपुरी इलाके में 1984 के सिख दंगों के दौरान 3 लोगों की हत्या हुई थी। सुल्तानपुरी दंगे में उइककी एक अहम गवाह चाम कौर ने आरोप लगाया था कि सज्जन कुमार भीड़ को भड़का रहे थे। जुलाई 2010 में कड़कड़डूमा कोर्ट ने सज्जन कुमार , ब्रह्मानंद, पेरु, कुशल सिंह और वेद प्रकाश के खिलाफ 3 लोगों की हत्या के मामले में आरोप तय किया था। अब करीब 13 साल बाद कोर्ट ने सज्जन कुमार सहित अन्य आरोपियों को इस मामले में बरी कर दिया है। सिख दंगों से जुड़े जनकपुरी और विकासपुरी में सिखों की हत्या के मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सज्जन कुमार के खिलाफ आरोप तय किए थे। हालांकि अदालत ने सज्जन कुमार के खिलाफ लगाई गई हत्या की धारा 302 हटा दी थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने 17 दिसंबर 2018 को सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। दरअसल, 1984 के सिख विरोधी दंगों के बाद दिल्ली में पांच सिखों की हत्या और गुरुद्वारा जला दिया गया था।

सख्ती: गंगा में प्रदूषण को लेकर बिहार और झारखंड को एनजीटी का आदेश, आठ दिन के अंदर पेश करें रिपोर्ट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने बिहार के 38 और झारखंड के चार जिलाधिकारियों को गंगा में प्रदूषण के मुद्दे पर आठ सप्ताह में रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। इन जिलों से गंगा और उसकी सहायक नदियां गुजरती हैं। एनजीटी नदी में प्रदूषण की रोकथाम से संबंधित मामले पर सुनवाई कर रहा था। एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि अधिकरण के 28 अगस्त के आदेश में कहा गया था कि गंगा में प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण से संबंधित मुद्दा प्रत्येक राज्य, शहर और जिले में उठाया जाए। पीठ में न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल और विशेषज्ञ सदस्य ए सेंथिल वेल भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि पांच सितंबर को पारित एक आदेश में एनजीटी ने गंगा नदी (पुनरुद्धार, संरक्षण एवं प्रबंधन) प्राधिकरण आदेश 2016 और विशेष रूप से जिला गंगा संरक्षण समितियों की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया है। एनजीटी ने सोमवार को पारित एक आदेश में कहा कि बिहार में नदी से संबंधित प्रमुख मुद्दों में भूजल प्रदूषण, अपशिष्ट जल छोड़ा जाना, अवैध रेत एवं पत्थर खनन, जलीय प्राणियों के लिए खतरा, नदी के मूल मार्ग में परिवर्तन और प्रदूषण शामिल हैं। अधिकरण ने कहा, हम बिहार के सभी 38 जिलों और झारखंड के चार जिलाधिकारियों को निर्देश देते हैं कि वे जिला गंगा संरक्षण समिति द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में गंगा में प्रदूषण की रोकथाम के लिए उठाए गए कदमों के संबंध में एक रिपोर्ट दाखिल करें।ह्ल एनजीटी ने कहा कि रिपोर्ट आठ सप्ताह में दाखिल की जानी चाहिए।

संपादकीय

आधी आबादी का हक

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने वाला 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' स्वागत योग्य तो है ही, इस मायने में भी ऐतिहासिक है कि यह नए संसद भवन के पहले दिन की कार्यवाही का हिस्सा बना। नए संसद भवन की इससे शानदार कोई और शुरुआत हो भी नहीं सकती थी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उचित ही कहा है कि इससे भारतीय लोकतंत्र मजबूत होगा। चूंकि लोकसभा में एनडीए सरकार को भारी बहुमत हासिल है और राज्यसभा में भी उसका फ्लोर प्रबंधन अच्छा है, ऐसे में इस विधेयक को कानून बनने में कोई अड़चन नहीं आनी चाहिए। काफी लंबे समय से देश की आधी आबादी को ऐसे कानून की प्रतीक्षा थी और अब जब महिला मतदाता 18वीं लोकसभा को चुनने के बहुत करीब हैं, तब यह विधेयक उन्हें बेहतर कल की आश्वस्ति देता है।निस्संदेह, इस मुकर्रर नुमाइंदगी के लिए उन्हें कुछ साल इंतजार करना होगा, मगर इससे स्त्री सशक्तीकरण की प्रक्रिया को एक पुख्ता आधार मिल गया है। हमारे संविधान-निर्माताओं ने देश के नागरिकों को मताधिकार देते समय उनमें किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं किया था, और तथ्य यह भी है कि आजादी के पिछले साढ़े सात दशकों में देश के तमाम महत्वपूर्ण पदों को महिलाएं सुशोभित कर चुकी हैं, मगर यह उपलब्धि हमारे लोकतंत्र की स्वाभाविक परिणति के बजाय प्रतीकवाद की ही देन अधिक रही। यही कारण है कि तमाम शैक्षणिक-भौतिक तरक्की के बावजूद जन-प्रतिनिधित्व के मामले में महिलाओं में खास प्रगति नहीं हुई। प्रधानमंत्री ने सोमवार को जब पिछले संसद भवन के आखिरी दिन अब तक के माननीयों की संख्या बताई, तब महिला और पुरुष सांसदों का वैषम्य हमारे लोकतंत्र को मुंह चिढ़ाता हुआ दिखा। दोनों सदनों में कुल मिलाकर 7,500 सांसदों ने अपना योगदान दिया है, मगर उनमें महिला सांसदों की संख्या कितनी रही? महज 600; आज भी लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 15 फीसदी के नीचे ही है, और इनमें से भी ज्यादातर किसी न किसी रसूखदार परिवार से जुड़ी हैं। मगर आरक्षण एकमात्र इलाज नहीं है। पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी मुल्कों में वर्षों से विधायी संस्थाओं में ्त्ररयों की सीटें आरक्षित रही हैं, पर वहां उनके हालात कैसे हैं, यह बताने की जरूरत नहीं। खुद हमारे देश में ही पंचायती राज संस्थाओं में कई सूबों में 50 प्रतिशत तक महिला आरक्षण लागू है। मगर मुखिया-पति और पार्षद-पति भी हमारे ही समाज की हकीकत है। इसलिए चुनौती राजनीतिक दलों के आगे है कि वे जमीनी स्तर पर महिला नेतृत्व गढ़ने की कोशिश करें। पार्टी संगठन के सभी विभागों में उन्हें कम से कम 33 प्रतिशत नुमाइंदगी दें। सिर्फ दिखाने के लिए महिला प्रत्याशियों को चुनाव में उतार देने के टोटके को मतदाता गंभीरता से नहीं लेते। इससे न पार्टियों का भला होने वाला, न लोकतंत्र का। नारी शक्ति वंदन विधेयक ने तमाम राजनीतिक पार्टियों को एक अवसर दिया है कि वे महिलाओं की राजनीतिक आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील रुख अपनाएं। इस कानून का सियासी लाभ अब चाहे कोई उठाए, क्योंकि पिछड़े वर्गों में इसे लेकर जैसी प्रतिक्रिया देखने को मिली है, वह आने वाले दिनों में देश की चुनावी राजनीति को और उलझाएगी। मगर फिलहाल आजादी के इस अमृतकाल में भारतीयत्रिरयों के लिए संभावनाओं के शीर्ष सदन का जो बड़ा पट खुला है, उसका स्वागत कीजिए।

आज का राशीफल

मेष	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।
वृषभ	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।
मिथुन	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।
कर्क	पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
सिंह	व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।
कन्या	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।
तुला	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।
वृश्चिक	आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
मकर	राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।
कुम्भ	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
मीन	कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

बहिष्कार नहीं, सार्थक बनाने से बनेगी बात

विश्वनाथ सचदेव

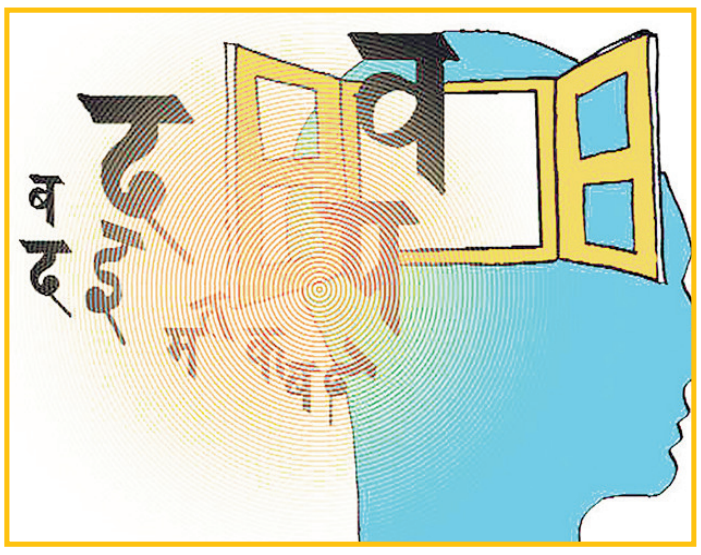

बहिष्कार और असहयोग में क्या अंतर है? भारत की राजनीति में यह दोनों शब्द राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ही दिये हुए हैं। आज़ादी की लड़ाई के दौरान उन्होंने जो 'हथियार' देश की जनता को दिये थे उनमें ये दोनों काफी कारगर सिद्ध हुए थे। वैसे अंग्रेज़ी माल के बहिष्कार की शुरुआत वर्ष 1905 में बंगाल-विभाजन के विरोध में हुई थी, पर आगे चलकर गांधी जी ने इसे स्वदेशी-आंदोलन का रूप दिया। यह 1920 की बात है। स्वराज के लिए स्वदेशी का नारा देकर उन्होंने आज़ादी की लड़ाई को एक निर्णायक दिशा दी थी। असहयोग इसी स्वदेशी-आंदोलन का दूसरा नाम था। हाल ही में यह दोनों शब्द भारत की राजनीति में फिर उछले हैं। भाजपा-विरोधी राजनीतिक दलों के 'इंडिया' गठबंधन ने घोषणा की है कि वह मीडिया के कुछ एंकरों का बहिष्कार करेंगे। उनका कहना है कि कुछ समाचार चैनलों के एंकर यानी कार्यक्रम के प्रस्तोता सरकारी प्रचार के काम में इस तरह लगे हुए हैं कि निर्भयता और निष्पक्षता के पत्रकारीय दायित्व को ही भुला बैठे हैं। इसे उन्होंने 'गोदी मीडिया' नाम दिया है। कुल 14 एंकरों के नाम लेकर कहा गया है कि वे निर्बाध रूप से भाजपा सरकार के पक्ष में हवा बनाने का काम कर रहे हैं। यह आरोप अपने आप में नया नहीं है। अर्से से कुछ चैनलों पर 'सरकारी' होने की बात कही जाती रही है। पर इससे ऐसे चैनलों पर कुछ असर पड़ा है, ऐसा नहीं लग रहा। इसी को देखते हुए मीडिया की भूमिका सवालों के घेरे में आती रही है। पत्रकारिता से यह अपेक्षा की जाती है कि वह विवेकपूर्ण तरीके से काम करेगी और निष्पक्ष रहकर समाज को वास्तविकता से परिचित कराती रहेगी। इसमें कोई संदेह नहीं कि पिछले एक अर्से से इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता 'पक्षपातपूर्ण' रवैया अपनाने का आरोप झेल रही है। यह स्थिति जनतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप तो कतई नहीं है। जनतांत्रिक मूल्यों-परंपराओं का तकाज़ा है कि पत्रकारिता निर्भयतापूर्वक प्रहरी का काम करे, निष्पक्षता के साथ समस्याओं के समाधान की दिशा दिखाने की भूमिका निभाये। 'इंडिया' गठबंधन का कहना है कि हमारी टीवी पत्रकारिता का एक हिस्सा यह कार्य नहीं कर रहा, इसलिए इस गठबंधन के सदस्य राजनीतिक दल ऐसे एंकरों के कार्यक्रमों का बहिष्कार करेंगे। गठबंधन की इस कार्रवाई को लेकर जब कुछ आवाज़ उठने लगी तो इस 'बहिष्कार' को 'असहयोग' कहकर स्थिति संभालने की कोशिश की गयी। इस प्रकरण का हमारी राजनीति पर क्या असर पड़ता है यह तो आने वाला कल ही बतायेगा, पर पत्रकारिता के स्वास्थ्य को लेकर एक सुगबुगाहट ज़रूर शुरू हो गयी है। एक तरफ कांग्रेस समेत गठबंधन के सदस्य दलों की इस कार्रवाई को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को चेतावनी देने वाला बताया जा रहा है तो दूसरी तरफ इस कार्रवाई को ग़लत बताने वाले इसे अजनतांत्रिक कह रहे हैं। कहा जा रहा है कि मीडिया का यह 'बहिष्कार' मीडिया पर अनुचित दबाव डालने की कोशिश है। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि जनतंत्र का चौथा स्तंभ माने जाने वाले मीडिया पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लग रहा है। जहां तक एंकरों की भूमिका का सवाल है, उन्हें भी अधिकार है अपनी राजनीतिक राय और समझ रखने का, पर यह समझ उनकी निष्पक्षता पर हावी नहीं होनी चाहिए। 'प्राइम टाइम' में 'डिबेट' के कार्यक्रमों में उनसे यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने प्रश्नों और हस्तक्षेप से दर्शक-श्रोता को स्थिति को समझने में मदद देंगे। सवाल उठाना पत्रकारिता का धर्म है, पर यदि सवाल के पीछे की मंशा पर सवालिया निशान लगने लगे तो यह ज़रूरी हो जाता है कि टीवी पत्रकार और मीडिया-प्रबंधन अपने गिरेबान में झांके। दुर्भाग्य से ऐसा होता दिख नहीं रहा। ऐसा लग रहा है जैसे मीडिया का एक बड़ा हिस्सा किन्हीं दबावों में काम कर रहा है। जनतांत्रिक मूल्यों और परंपराओं की दृष्टि से यह स्थिति किसी भी तरह से अच्छी नहीं कही जा सकती। यह स्थिति बदलनी ही चाहिए। पर क्या 'बहिष्कार' या 'असहयोग' से यह स्थिति बदल जाएगी? होना तो यह चाहिए कि इस स्थिति को बदलने की मांग करने वाले राजनीतिक दल प्राप्त सुविधा का अधिकतम लाभ लेने की कोशिश करें। इस संदर्भ में एक पुरानी, लगभग 50 साल पहले की घटना याद आ रही है। वे आपातकाल के दिन थे। मीडिया तानाशाही के चंगुल में था। तब कुछ पत्रकारों ने यह सोचा था कि वे 'सरकारी मीडिया' का सहयोग नहीं करेंगे। ऐसे लोगों में मैं भी एक था जो यह मानते थे कि ऐसा कुछ नहीं किया जाना चाहिए कि उससे वक्त की सरकार का हित-साधन हो। मेरे जैसे कई लोगों ने तब आकाशवाणी और दूरदर्शन के कई कार्यक्रम करने से इनकार कर दिया था। उन्हीं दिनों एक बातचीत के दौरान प्रतिष्ठित फिल्मकार श्याम बेनेगल ने कहा था, 'मैं यह मानता हूं कि यदि आज की स्थिति में हज़ार फुट की एक फिल्म में मुझे सौ फुट अपने मन की फिल्माने का मौका मिलता है तो मुझे यह अवसर गंवाना नहीं चाहिए। मेरी कोशिश होनी चाहिए मैं ऐसे अवसर तलाशूं और उनका लाभ उठाऊं।' उनकी यह बात मुझे जंच गयी थी। और तब मैंने दूरदर्शन के कुछ ऐसे कार्यक्रम किये भी थे जिनमें मैं अपने मन की बात कह सका था। इस कदम का दूरदर्शन के दर्शकों पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ा होगा, ऐसा मैं नहीं मानता, पर अंधेरे में सूर्योदय होने की आहट दिखा पाने का यह संतोष मुझे अवश्य मिला था। यह संतोष भी किसी उपलब्धि से कम नहीं था। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के कुछ एंकरों का बहिष्कार करने वालों को यह सोचना चाहिए कि कथित गोदी मीडिया वालों को विफल बनाने का एक तरीका यह भी है कि उनके प्रयासों की धार कुंठित की जाये। राजनीतिक दलों के प्रवक्ताओं को ठोस तैयारी के साथ ऐसे कार्यक्रमों में जाकर विरोध के प्रयासों को सफल बनाने की कोशिश करनी चाहिए। जरूरी है कि पक्षपातपूर्ण एंकरों का चेहरा बेनकाब हो, और यह काम ऐसे टीवी पत्रकारों को चुनौती देकर अधिक सफलतापूर्वक किया जा सकता है। मीडिया का बहिष्कार नहीं, मीडिया को सार्थक बनाने की कोशिश होनी चाहिए। यह सही है कि आज हमारा मीडिया अपनी उचित और समुचित भूमिका निभाने में विफल होता दिख रहा है, पर बहिष्कार से तो मीडिया के ग़लत तत्वों को और खुला मैदान ही मिलेगा। एक बात और भी है। सभी एंकर मीडिया में अपनी मनमानी भी तो नहीं कर सकते। उनकी नकेल भी तो किसी के हाथ में होती है। विरोध उन हाथों का होना चाहिए। ये हाथ सरकार के भी हो सकते हैं, और मालिकों के भी। इन हाथों की गतिविधियों पर नज़र होनी चाहिए। ऐसा नहीं है कि देश का नागरिक इन गतिविधियों को नहीं देख सकता, या नहीं देख रहा। आज आवश्यकता स्वस्थ पत्रकारिता के पक्ष में आवाज़ उठाने की है। यह स्थिति सचमुच दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज हमारा मीडिया का एक वर्ग अपनी विश्वसनीयता खोता जा रहा है। इस विश्वसनीयता को बनाने, बनाये रखने का मुख्य दायित्व तो मीडिया वालों का ही है, पर विवेकशील नागरिकों का भी दायित्व बनता है कि वे मीडिया की असफलता और ग़लत कामों की अनदेखी न करें। ज़रूरत सूर्योदय की आहट को सुनने, समर्थन देने की है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

शांति की शुरुआत व्यक्तिगत होती हैं

(लेखक - विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन/ 21 सितम्बर अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस)

हर युग में मनुष्य के द्वारा बहुत विकास किया गया और वह सुख शांति की खोज करता रहा और करता ही हैं, पर विकास और अशांति का चोली दामन का साथ हैं। जब तक मानव विकास के साथ कुछ समय धार्मिक, आध्यात्मिक क्षेत्र में नहीं जायेगा तब तक वह दुखी होगा।

आज विश्व युद्धों के कारण अशांति के मुंह में बैठा हैं और वह विध्वंश करने उतारू हैं, युध्य से किसी भी कालखंड में शांति स्थापित नहीं हुई, शांति वार्तालाप के साथ वैचारिक सकारत्मकता के कारण प्राप्त हो सकती हैं। शांति विश्व स्तरीय, देश स्तरीय, सामाजिक, पारिवारिक के साथ व्यक्तिगत अधिक महत्वपूर्ण होती हैं। शांति व्यक्ति से शुरू होती हैं, व्यक्तिगत से मतलब राष्ट्र प्रमुख की विचारधारा पर निर्भर करता हैं। नित्य नए नए आधुनिकतम आयुध संसाधन अशांति के मुख्य कारण हैं, चीन द्वारा विस्तारवादी नीति के कारण,पाकिस्तान परपीड़क होने से और अन्य राष्ट्रों में प्रतिस्पर्धा के साथ प्रभुत्व की लड़ाई हैं।

शांति से एक साथ रहना मतभेदों को स्वीकार करने और दूसरों को सुनने, पहचानने, सम्मान करने और सराहना करने की क्षमता रखने के साथ-साथ शांतिपूर्ण और एकजुट तरीके से जीने के बारे में है।

इस वर्ष का ध्येय अंत जातिवाद है---शांति बनाएं। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि यह 24 घंटे के संघर्ष विराम की अहिंसक अवधि के माध्यम से शांति के आदर्शों को मजबूत करने के लिए समर्पित एक तारीख है इसका मकसद दुनिया भर में युद्ध और शत्रुता को कम करते हुए शांति का विस्तार करना है। इस दिन की स्थापना वर्ष 1981 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई थी।

उद्देश्य- देशों और लोगों को शत्रुता रोकने के लिए आमंत्रित करना तथा शांति से संबंधित मुद्दों पर जागरूकता फैलाना।

इतिहास

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस की स्थापना 1981 में की गई थी। इसके लगभग

20 साल बाद, 2001 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा सर्वसम्मति से मतदान करके अहिंसा एवं संघर्ष विराम काल के रूप में इस दिन को नामित किया गया।

शुरुआत में यह दिन सितंबर के तीसरे मंगलवार को मनाया जाता था लेकिन साल 2001 के बाद इसे बदलकर 21 सितंबर तय कर दिया गया। तभी से हर साल 21 सितम्बर को वर्ल्ड पीस डे मनाया जाता है।

क्यों मनाया जाता है?

इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य अहिंसा और संघर्ष विराम के माध्यम से विश्व में शांति कायम करना है। इसके साथ ही मानवता के लिए सभी मतभेदों से ऊपर उठकर शांति के लिए प्रतिबद्ध होने और शांति की संस्कृति के निर्माण में योगदान करना भी इसका मुख्य मकसद है।दुनिया भर के सभी देशों और लोगों के भीतर शांति के आदर्शों को मजबूत करने और युद्ध को कम करने लिए यह ख़ास तौर पर समर्पित है।

इस साल अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस 2022 की थीम 'जातिवाद खत्म करें, शांति का निर्माण करें' रखी गई है। जो सही मायने में शांति प्राप्त करने के लिए ऐसे समाज के निर्माण की आवश्यकता को दर्शाता है, जिसमें लोगों के साथ समान व्यवहार किया जाता हो चाहे उनकी जाति कोई भी हो।

विचार

शांति भीतर से आती हैज्इसकी तलाश बाहर मत करो।-----गौतम बुद्ध

शांति अपने आप में ही, एक पुरस्कार है। -महात्मा गाँधी

शांति, राजनीतिक या आर्थिक बदलाव से नहीं मिल सकती, बल्कि मानवीय स्वभाव में बदलाव से मिल सकती है। -सर्वपल्ली राधाकृष्णन

हृदय के अन्दर शांति की शुरुआत एक मुस्कराहट से होती है -मदर टेरेसा

साहसी लोग शांति की लिए, क्षमा करने से भी घबराते नहीं है। -नेल्सन मंडेला

हम केवल अपने लिए ही नहीं, बल्कि समस्त विश्व के लिए शांति और शांतिपूर्ण विकास में ही विश्वास रखते हैं। -लाल बहादुर शास्त्री

वह जो सभी इच्छाएं त्याग देता है और 'मैं' और 'मेरा' की लालसा और भावना से मुक्त हो जाता है उसे शान्ति प्राप्त होती है। -भगवत गीता

जो व्यक्ति द्वेषपूर्ण विचारों से मुक्त रहता हैं, वह निश्चित रूप से शांति को प्राप्त करता हैं। -गौतम बुद्ध

संयुक्त राष्ट्र सभी देशों को इस ख़ास दिन पर शत्रुता को रोकने के लिए आमंत्रित करता है, और शांति से संबंधित मुद्दों पर जागरूकता फैलाते हुए इस दिन को मनाता है।

सफेद कबूतर- सफेद रंग को शान्ति का प्रतीक माना जाता है इसलिए **Peace Day** मनाने के लिए इस दिन शान्ति के दूत सफेद कबूतरों को उड़ाकर विश्वभर में शांति का संदेश दिया जाता है।

शांति की घंटी- अमेरिका के न्यूयोर्क शहर में स्थित संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय में संयुक्त राष्ट्र शांति घंटी बजा कर यह दिन मनाया जाता है।

इसके एक ओर 'विश्व में शांति हमेशा बनी रहे' लिखा है।

यह घंटी सभी महाद्वीपों (अफ्रीका को छोड़कर) के बच्चों द्वारा दान किए गए सिक्कों को मिला कर बनाई गई है, जिसे जापान के यूनाइटेड नेशनल एसोसिएशन ने गिफ्ट में दिया था।

ऐसा कहा जाता है की यह घंटी युद्ध में मनुष्य की कीमत की याद दिलाती है।

विश्व शांति की स्थापना हेतु विभिन्न उपाय

पंडित जवाहरलाल नेहरू जी ने दुनियाभर में शान्ति एवं अमन की स्थापना हेतु पांच मूल मंत्र दिए, जिन्हें 'पंचशील का सिद्धांत' भी कहा जाता है। यदि हर कोई इन पांच मूल मंत्रो को अमल लाये तो विश्व में कभी अशांति नहीं होगी।

सभी देश समानता और आपस में फायदे की नीति का पालन करें।

एक दूसरे के अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप न करें।

देश एक दूसरे के खिलाफ कोई भी आक्रामक कार्यवाही न करें।

एक दूसरे की प्रादेशिक अखंडता और प्रभुसत्ता का सम्मान करें।

शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की नीति में विश्वास रखे।

शांत खुशियां सबसे ज्यादा देर टिकती हैं।

विचार मंथन

नहीं बच पा रही है चुनाव आयोग की साख?

(लेखक - सनत जैन)

संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग पिछले कई वर्षों से विश्वसनीयता के संकट से गुजर रही है। इसके लिए चुनाव आयोग स्वयं जिम्मेदार है या सरकार के दवाब में चुनाव आयोग है, यह कहना बड़ा मुश्किल है। अभी तक जो घटनाएं सामने आई हैं। उसके अनुसार चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को लेकर सब जगह सवालिया निशान लगने शुरू हो गए हैं। चुनाव के दौरान जब विपक्ष कोई शिकायत चुनाव आयोग से करता है। उसे समय चुनाव आयोग तत्परता से शिकायतों को गंभीरता से नहीं लेता है। लेकिन जो शिकायतें सत्ता पक्ष द्वारा की जाती है। उन पर त्व रित कार्रवाई की जाती है। चुनाव के कार्यक्रम भी सरकार एवं सत्तारुण पार्टी के कार्यक्रमों को ध्यान में रखकर जारी किये जाते हैं। सत्ताधारी नेताओं के खिलाफ यदि कोई शिकायत पर चुनाव आयोग के अ धिकारी द्वारा कोई कार्रवाई की जाती है। तो चुनाव आयोग अपने ही अधिकारियों पर कार्यवाही कर देता है। कार्यवाही करने वाले चुनाव अधिकारी और शासकीय एजेंसियां आयुक्त की कार्यवाही का शिकार हो चुकी है। जिस तरह से चुनाव आयुक्त अरुण गोयल की नियुक्ति सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान की गई। उनकी नियुक्ति में जो प्रक्रिया अपनाई गई, उस नियुक्ति पर भी सवाल उठे और इससे चुनाव आयोग की निष्पक्षता भी प्रभावित हुई। हाल ही में सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश से चुनाव आयुक्त की नियुक्तियों के लिए एक कमेटी गठित की थी। जिसे सरकार ने कानून बनाकर बदल दिया। प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक मंत्री तथा एक नेता प्रतिपक्ष को कमेटी का सदस्य बनाए जाने का प्रावधान किया गया है। निश्चित रूप से सरकार के इस नियम से बहुमत के आधार पर सरकार जिसे चाहेगी, उसे चुनाव आयोग के पद पर नियुक्ति कर देगी। चुनाव आयुक्त को सुप्रीम कोर्ट के जज की समकक्ष श्रेणी का माना जाता है। सरकार ने उसे घटाकर सचिव स्तर का किया जाना प्रस्तावित किया है। निश्चित रूप से यदि यह बदलाव किया गया तो चुनाव आयुक्त भी सरकार के अधीन होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कानून बनने तक जो कमेटी बनाई थी। उसमें सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष को रखा था। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से यह धारणा पुष्ट हुई थी कि चुनाव आयुक्त की नियुक्ति निष्पक्षता के साथ वरीयता ओर गुण दोष के आधार पर होगी। चुनाव प्रक्रिया एवं निष्पक्षता के आधार पर भारत का लोकतंत्र टिका हुआ है। चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर यदि प्रश्न चिन्ह लग गया तो निष्पक्ष संभव ही नहीं होंगे। सरकार ने नए कानून में जो प्रावधान किया है। उसमें धारा 10 (ढ्ढ) के अनुसार चुनाव आयुक्त का दर्जा कैबिनेट सचिव के बराबर हो जाएगा। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयुक्त को शक्तियां प्राप्त है। इन्हें महाभियोग के द्वारा ही हटाया जा सकता है। लेकिन जब इनका दर्जा बदल जाएगा। सरकार आयुक्तों पर प्रशा स निक कार्रवाई भी कर सकेगी। केंद्रीय चुनाव आयुक्त संवैधानिक संस्था है। जो संशोधन किए गए हैं। उसके बाद चुनाव आयोग की स्थिति सीआईसी, सीवीसी, केंद्रीय सूचना आयुक्त के समकक्ष हो जाने से उनके पास कोई संवैधानिक अधिकार नहीं होंगे। यदि यह हो गया तो चुनाव आयोग को लेकर आम जनता में जो विश्वास है वह खत्म हो जाएगा। निष्पक्ष चुनाव ही एक ऐसी प्रक्रिया है, जो लोकतंत्र को मजबूत बनाती है। मतदाता 5 साल के लिए अपने लिए सरकार चुनता है। यदि चुनाव आयोग ही सरकार के अधीन हो जाएगा, तो फिर तो लोकतंत्र कायम रह पाना संभव नहीं होगा। यहां यह भी उल्लेख करना जरूरी हो गया है कि चुनाव आयोग की शक्तियों में कभी कोई परिवर्तन नहीं किया गया। लेकिन जब टी एन सेशन मुख्य चुनाव आयुक्त बने। उन्होंने अपनी संवैधानिक शक्तियों का उपयोग करते हुए निष्पक्ष चुनाव कराने का जो काम किया था, वह आज भी याद किया जाता है। वह कभी भी सरकार के प्रभाव में नहीं आए। चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद उन्होंने निष्पक्ष तरीके से चुनाव कराए। उनके समय में सरकारी अधिकारी, कर्मचारी, मीडिया, राजनीतिक दलों के नेता और राजनीतिक दल सबको उन्होंने नियंत्रित कर लिया था। जिस तरह के बदलाव सरकार करने जा रही है। इसके बाद अब चुनाव आयोग की संवैधानिक शक्तियां खत्म हो जाएंगी। चुनाव आयोग सरकार के अधीन होकर रह जाएगा। यदि ऐसा संभव हो गया, तो भारत में अब लोकतंत्र भी सुरक्षित नहीं रहा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ब्रिटेन में मुद्रास्फीति की दर घटी, विश्लेषक हुए हैरान

लंदन । ब्रिटेन में मुद्रास्फीति की दर में अगस्त में घटी है। इससे ब्रिटेन की महंगाई दर अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई है। विश्लेषक ब्रिटेन के मुद्रास्फीति के आंकड़ों से हैरान हैं। यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद ब्रिटेन में ऊर्जा और खाने-पीने के सामान की कीमतों में उछाल आया था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक अगस्त में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति घटकर 6.7 प्रतिशत पर आ गई है, जो जुलाई में 6.8 प्रतिशत थी। इस गिरावट के बाद महंगाई दर फरवरी, 2022 के बाद अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई है। इसमें कहा गया है कि होटल और हवाई किराए की लागत घटने और खाद्य उत्पादों के दाम कम होने से ऊर्जा की कीमत में बढ़ोतरी की भरपाई करने में मदद मिली है। हालांकि, मुद्रास्फीति में गिरावट से विश्लेषक हैरान हैं। उनका अनुमान था कि मुद्रास्फीति की दर सात प्रतिशत के आसपास रहेगी।

विदेशी टेलीकॉम कंपोनेंट पर टैक्स लगाएगी भारत सरकार

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने भारत की टेलीकॉम इंडस्ट्री को मजबूत बनाने और ग्लोबल मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाने के लिए नया प्लान बना लिया है। जानकारी के अनुसार भारत से इंपोर्ट को कम करने और डॉमेस्टिक सप्लाई चेन बनाने के लिए टेलीकॉम कंपोनेंट पर फेजवाइज कस्टम ड्यूटी लगाने की योजना बना रहा है। टेलीकॉम डिपार्टमेंट पैकेजिंग आइटम्स, एंटीना, वाईफाई स्विच, प्लास्टिक, मेटल हाउसिंग आइटम्स, वायर्स/केबल्स पर जनवरी से 10 फीसदी कस्टम ड्यूटी लगाने और अगले साल अक्टूबर तक इसे 15 फीसदी तक बढ़ाने के प्रस्ताव पर काम कर रहा है। इस कदम से चीन और उन देशों को झटका लगेगा जो भारत को टेलीकॉम कंपोनेंट काफी ज्यादा एक्सपोर्ट करते हैं। जानकारी रखने वाले अधिकारियों की मानें तो टेलीकॉम कंपोनेंट में यूएसबी पोर्ट/कनेक्टर, पावर एडॉप्टर और अन्य इलेक्ट्रिकल/मैकेनिकल आइटम भी शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा कि लोकल प्रोडक्शन को बढ़ावा देने और वैल्यू एडिशन को बढ़ाने के लिए सरकार के फेज्ड मैन्यूफैक्चरिंग प्रोग्राम (पीएमपी) के तहत इन पार्ट्स पर इंपोर्ट ड्यूटी और उसे लागू करने की टाइमलाइन पर विचार किया जा रहा है। फेज्ड मैन्यूफैक्चरिंग प्रोग्राम का लक्ष्य शुरू में लो वैल्यू कंपोनेंट और बाद में हाई वैल्यू कंपोनेंट के लोकल प्रोडक्शन को प्रोत्साहित कर भारत की टेलीकॉम गियर मैन्यूफैक्चरिंग को और ज्यादा गहराई देना है। इसमें ऐसी असेसिरीज/कंपोनेंट के इंपोर्ट पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को बढ़ाकर टारगेट को हासिल करने का प्लान है।

2024 में 6.3 फीसदी होगी भारत की जीडीपी ग्रोथ, महंगाई बढ़ेगी

नई दिल्ली । भरत की जीडीपी ग्रोथ में बढ़ोतरी के साथ ही महंगाई भी बढ़ने की संभावना बताई जा रही है। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) ने वित्त वर्ष 2024 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ के अनुमान में इजाफा कर दिया है। ओईसीडी ने पहले अनुमान जताया था कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6 फीसदी का इजाफा होगा, मगर अब इसने अनुमान को 6 फीसदी से बढ़ाकर 6.3 फीसदी कर दिया है। ओईसीडी ने कहा कि भारत जी20 की उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, जहां विकास को लेकर ज्यादातर पॉजिटिव ग्रोथ देखने को मिली है और इसी वजह से अनुकूल मौसम संबंधी कृषि क्षेत्र में भी बढ़ोतरी देखने को मिली है। रिपोर्ट में कहा गया है कि विश्व अर्थव्यवस्था 2023 में 3 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है, जो 2024 में धीमी होकर 2.7 प्रतिशत हो जाएगी। ओईसीडी की रिपोर्ट में चीन में उम्मीद से कमजोर आर्थिक रिकवरी के बावजूद, 2023-24 में वैश्विक विकास का अनुपातहीन हिस्सा एशिया से आना जारी रहने की उम्मीद है। हालांकि ओईसीडी ने भारत की महंगाई दर को जून में अपने पहले के अनुमान 4.8 प्रतिशत से संशोधित करके 5.3 प्रतिशत कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार 2023 की पहली छमाही में खाद्य और ऊर्जा की कीमतों में गिरावट के कारण कई देशों में हेडलाइन मुद्रास्फीति में कमी जारी रही है लेकिन मुख्य मुद्रास्फीति में बहुत बेहतर कमी नहीं आई है।

भारत 2030 तक होगा तीसरा बड़ा उपभोक्ता बाजार: नायका सीईओ

नई दिल्ली ।

नायका की सीईओ ने कहा है कि भारत 2030 तक तीसरा बड़ा उपभोक्ता बाजार बनकर उभरेगा। सौंदर्य प्रसाधन कारोबार से जुड़ी फर्म नायका की मूल कंपनी एफएसएन ई-कॉमर्स वेंचर्स की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) फाल्गुनी नायर ने यह संभावना जाहिर करते हुए कहा है कि वह अपने कारोबार की संभावनाओं को लेकर रोमांचित हैं। एफएसएन की तरफ से जारी विज्ञप्ति दी गई जानकारी के अनुसार नायर ने कंपनी की सालाना आमसभा को संबोधित करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था के साथ अपने कारोबार की तेजी से बढ़ती संभावनाओं का उल्लेख किया। नायर ने कहा कि भारत की उद्यमिता भावना के साथ यहां की युवा एवं आकांक्षी जनसंख्या इसे उपभोक्ता-केंद्रित व्यवसाय एवं ब्रांड के लिए एकदम माकूल जगह बनाती है। उन्होंने कहा कि यह नायका के लिए एक बढ़िया मौका मुहैया कराता है। नायर ने कहा कि भारत में प्रति व्यक्ति सौंदर्य एवं निजी देखभाल उत्पादों की खपत बढ़ने की संभावना है जो पहले ही 80 डॉलर प्रति व्यक्ति है। फैशन में भारत की प्रति व्यक्ति खपत 54 डॉलर है और विकसित बाजारों के वृद्धि पथ को देखते हुए इसके वर्ष 2030 तक 160 डॉलर तक

पहुंच जाने का अनुमान है। इस मौके पर नायका ने खाड़ी क्षेत्र के खुदरा कारोबार अपैरल ग्रुप के साथ मिलकर इस साल के अंत तक अपना पहला अंतरराष्ट्रीय स्टोर खोलने की योजना का भी ऐलान किया।

सोने-चांदी के दामों में आई गिरावट

नई दिल्ली । सोना-चांदी के खरीदारों के लिए खुशखबरी है। भारतीय सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने और चांदी के दाम में गिरावट आई है। दस ग्राम सोना सस्ता होकर 60,300 रुपये हो गया है। वहीं एक किलो चांदी 74,500 रुपये में बिक रही है। दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने का भाव 50 रुपये घटकर 60,300 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 300 रुपये की गिरावट के साथ 74,500 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। विदेशी बाजारों में सोना गिरावट के साथ 1,929 डॉलर प्रति औंस जबकि चांदी गिरावट के साथ 23.20 डॉलर प्रति औंस रही।

अगले तीन साल तक एचडीएफसी बैंक के सीईओ और एमडी बने शशिधर जगदीशन

मुंबई । देश के सबसे बड़े निजी सेक्टर के बैंक एचडीएफसी बैंक के सीईओ और एमडी शशिधर जगदीशन अगले तीन साल तक इस पद पर बने रहने वाले हैं। आरबीआई ने उनका कार्यकाल अगले 3 साल के लिए बढ़ा दिया है। बैंकिंग रेग्युलेटर आरबीआई ने उनके कार्याकल को तीन साल के लिए बढ़ाते हुए उन्हें फिर से सीईओ और एमडी पद पर री-अप्पाइंटमेंट की मंजूरी दे दी है। बता दें, 26 अक्टूबर 2023 को उनका कार्यकाल खत्म होने वाला था लेकिन अब जब आरबीआई ने उनके री-अप्पाइंटमेंट की मंजूरी दे दी है तब वे 3 साल तक एचडीएफसी बैंक के लिए काम कर सकते हैं। जगदीशन को साल 2020 में बैंक के चीफ एग्जीक्यूटिव अफसर और मैनेजिंग डायरेक्टर के पद पर अपॉइंट किया गया था। उन्हें आदित्य पूरी की जगह बैंक का सीईओ और एमडी बनाया गया था। अगले महीने 26 अक्टूबर को उनका कार्यकाल खत्म हो रहा था जिसको अब आरबीआई ने 3 साल के लिए उनका कार्यकाल बढ़ा दिया है। बैंक ने रेग्यूलेटरी फाइलिंग में स्टॉक एक्सचेंजों को ये जानकारी दी है। बैंक ने कहा कि एचडीएफसी बैंक के बोर्ड की सिफारिश के बाद आरबीआई से जगदीशन के बैंक के एमडी-सीईओ पद पर बने रहने को लेकर मंजूरी मांगी गई थी। आरबीआई ने 18 सितंबर 2023 को बैंक को सूचित किया कि उसने अगले तीन सालों के लिए शशिधर जगदीशन के फिर से एमडी-सीईओ पद पर नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

शेयर बाजार में गिरावट...सेंसेक्स 800 अंक टूटा, निफ्टी में 238 अंक की गिरावट

-निवेशकों के तीन लाख करोड़ डूबे

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में बुधवार को बड़ी बिकवाली दिखी। बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स लगभग 800 अंक या एक प्रतिशत टूटकर 67,000 अंक के स्तर से नीचे आ गया। कारोबार के दौरान यह 66,728 अंक के दिन के निचले स्तर को छू गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 1.18 प्रतिशत या 238 अंक की गिरावट के साथ 19,895 अंक पर पहुंच गया। इस दौरान सेंसेक्स 796.00 (1.17 प्रतिशत) अंकों की गिरावट के साथ 66,800.84 के स्तर पर जबकि निफ्टी 231.90 (1.15 प्रतिशत) अंक टूटकर 19,901.40 के लेवल पर बंद हुआ। बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.95 लाख करोड़ रुपये घटकर 320.04 लाख करोड़ रुपये रह गया।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक के नतीजों से पहले अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल के 16 साल के उच्च स्तर पर पहुंचने के बीच एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस जैसे बड़े शेयरों में गिरावट के चलते घरेलू बेंचमार्क सूचकांक बुधवार को गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स की कंपनियों में एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, जेएसडब्ल्यू स्टील, मारुति और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में गिरावट रही। एचडीएफसी बैंक ने सोमवार को कहा कि एचडीएफसी के साथ विलय के बाद एक जुलाई से उसकी सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) बढ़ने की संभावना है। एचडीएफसी के शेयरों में बुधवार को तीन प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

भारत डायनेमिक्स के भारतीय वायुसेना के साथ 291 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के बाद कंपनी के शेयरों में 3 प्रतिशत की तेजी आई। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 0.87 प्रतिशत और निफ्टी बैंक में 0.68 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। एफएमसीजी, आईटी, फार्मा, रियल्टी और हेल्थकेयर सेक्टर भी गिरावट के साथ खुले। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप 100 में 0.05 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि स्मॉलकैप 100 सपाट खुला।

सोना 50 रुपये सस्ता हुआ, चांदी 300 रुपये फिसली

कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 50 रुपये टूटकर 60,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस दौरान चांदी भी 300 रुपये टूटकर 74,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। वैश्विक बाजारों में सोना और चांदी गिरावट के साथ क्रमशः 1,929 डॉलर प्रति औंस और 23.20 डॉलर प्रति औंस पर चल रहे थे। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा कि ब्याज दरों पर अमेरिकी एफओएमसी (फेडरल ओपन मार्केट कमेटी) की बैठक के नतीजों से पहले कारोबारियों के सतर्क रुख अपनाने और अपने सौदों के आकार को कम करने से कॉमेक्स पर सोना दो सप्ताह के उच्च स्तर से नीचे आ गया।

भारतीय अर्थव्यवस्था प्रतिकूल वैश्विक माहौल के बीच बेहतर प्रदर्शन कर रही

मौद्रिक नीति समिति की सदस्य का बयान

नई दिल्ली ।

भारतीय अर्थव्यवस्था प्रतिकूल वैश्विक माहौल के बीच बेहतर प्रदर्शन कर रही है। भारतीय रिजर्व बैंक (आबीआई) की मौद्रिक नीति समिति की सदस्य आशिमा गोयल ने इसकी जानकारी है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने पिछले नौ साल के दौरान कई सुधार लागू किए हैं, जिससे महत्वपूर्ण वृहद आर्थिक संकेतक बेहतर हुए हैं।

हालांकि, उन्होंने कहा कि भारत को अभी अपनी पूरी क्षमता हासिल करने के लिए काफी लंबा रास्ता तय करना है। आशिमा ने कहा, संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार को विरासत में एक मजबूत अर्थव्यवस्था मिली थी और साथ ही उस दौर की ऊंची वृद्धि से भी संप्रग सरकार को लाभ हुआ था। उन्होंने कहा कि 2008 के बाद वैश्विक आर्थिक संकट के प्रभाव और भ्रष्टाचार से जुड़े घोटालों से अर्थव्यवस्था कमजोर हुई। उनसे पूछा गया था कि वह संप्रग सरकार के 10 साल (2004-14) और मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के नौ साल के कार्यकाल के प्रदर्शन की तुलना कैसे करेंगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार को दोहरा घाटा (उच्च राजकोषीय घाटा और उच्च चालू खाते का घाटा), ऊंची मुद्रास्फीति और कमजोर बैंक विरासत में मिले थे लेकिन उन्होंने इन सभी में सुधार किया है, और अन्य सुधारों को भी लागू किया है। इस कारण एक प्रतिकूल वैश्विक वातावरण में भारतीय अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है। कुछ अमेरिकी अर्थशास्त्रियों के दावे कि भारत आर्थिक वृद्धि को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है, गोयल ने कहा कि तिमाही आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश नहीं किया जा सकता। ये आंकड़े मौसमी और आधार प्रभाव के साथ-साथ 'माप' के मुद्दों पर आधारित होते हैं। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही की वृद्धि दर आधार प्रभाव की वजह से ऊंची रही है। 2020-21 की पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था में 23.2 प्रतिशत की बड़ी गिरावट आई थी। उन्होंने कहा कि 2021-22 की पहली तिमाही में वृद्धि दर 21.6 प्रतिशत रही।

एशियाई देशों की मांग घटने से जापान को व्यापार में हुआ घाटा

नई दिल्ली । चीन और शेष एशियाई देशों की मांग घटने से जापान को व्यापार में घाटा हो रहा है। बता दें कि जापान का निर्यात पिछले महीने एक साल पहले की तुलना में 0.8 प्रतिशत घट गया है। जापान के वित्त मंत्रालय की ओर से

बुधवार को जारी शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान जापान के आयात में 18 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज हुई है। इस तरह अगस्त में जापान का व्यापार घाटा 930.5 अरब येन या 6.3 अरब डॉलर रहा है। जानकार बता रहें है कि लगातार दूसरे महीने जापान को व्यापार घाटा हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, एशियाई बाजारों को जापान का निर्यात 8.8 प्रतिशत घट गया। इसकी प्रमुख वजह चीन को निर्यात घटना है। चीन को मूल्य में निर्यात 11 प्रतिशत नीचे आ गया है। हाल के महीनों में चीन की अर्थव्यवस्था सुस्त पड़ी हुई है। बताया जा रहा है कि चीन की अर्थव्यवस्था के कोविड-महामारी के बाद उबरने की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। आईएनजी के क्षेत्रीय प्रमुख एशिया-प्रशांत रॉबर्ट कार्नेल ने कहा है कि हमारा मानना है कि चीन में कमजोर पुनरुद्धार का निर्यात पर नकारात्मक असर अभी जारी रहेगा।

अगले महीने से घट सकते हैं रिलायंस गैस के दाम,14 फीसदी कटौती की संभावना

नई दिल्ली ।

रिलायंस गैस के दामों में अगले महीने से 14 फीसदी कटौती की संभावना है। यह कटौती रिलायंस इंडस्ट्रीज के केजी-डी6 जैसे कठिन क्षेत्रों से उत्पादित प्राकृतिक गैस के दाम में होने वाली है। जानकार बता रहे हैं कि वैश्विक स्तर पर ईंधन कीमतों में कमी के बीच प्राकृतिक गैस के दाम घटने की उम्मीद है। सूत्रों ने कहा कि एक अक्टूबर से शुरू छह महीने की अवधि के लिये गहरे समुद्री क्षेत्रों और उच्च दबाव तथा उच्च तापमान (एचपीटीपी) से उत्पादित गैस की कीमत घटाकर 10.4 डॉलर प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट (प्रति इकाई) की जा सकती है। यह अभी 12.12 डॉलर प्रति इकाई है। सरकार देश में उत्पादित प्राकृतिक गैस के दाम साल में दो बार तय करती है। प्राकृतिक गैस को सीएनजी और पीएनजी में बदला जाता है। सीएनजी का उपयोग वाहन ईंधन के रूप में, जबकि पीएनजी का उपयोग घरों में खाना पकाने में किया जाता है। इसके अलावा बिजली और उर्वरक उत्पादन में भी इसका इस्तेमाल होता है। गैस के दाम तय करने के लिये दो फॉर्मूले हैं। ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) और ऑयल इंडिया लि। (ओआईएल) से उत्पादित गैस तथा गहरे सागर जैसे कठिन क्षेत्रों में स्थित नये क्षेत्रों से उत्पादित गैस के लिये इन फॉर्मूलों का उपयोग किया जाता है। दरों का निर्धारण हर साल एक अप्रैल और एक अक्टूबर को किया जाता है। इस साल अप्रैल में, पुराने क्षेत्रों से जुड़े फॉर्मूले में बदलाव किया गया। इसके तहत इसे मौजूदा ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत के 10 प्रतिशत पर मानकीकृत किया गया। हालांकि, दर के लिये 6.5 डॉलर प्रति यूनिट की सीमा तय की गयी थी। पुराने क्षेत्रों की दरें अब मासिक आधार पर तय की जाती हैं। सितंबर महीने के लिये कीमत 8.60 डॉलर प्रति इकाई हो गई, लेकिन सीमा तय होने के कारण उत्पादकों को केवल 6.5 अमेरिकी डॉलर ही मिलेंगे। ब्रेंट कच्चे तेल का औसत भाव इस महीने करीब 94 डॉलर प्रति बैरल है। लेकिन सीमा तय होने से दर 6.5 डॉलर बनी रहेगी।

43 पायलटों के अचानक इस्तीफा देने से मुश्किल में पड़ी आकाश एयर की उड़ानें

नई दिल्ली ।

निजी क्षेत्र की विमानन कंपनी आकाश एयर की उड़ानें मु श्किल में पड़ गई है। कंपनी के 43 पॉयलटों ने अचानक इस्तीफा दे दिया है, इसके कारण यह नौबत आई है। कंपनी ने आज दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि 43 पायलटों के अचानक इस्तीफा देने से आकाश एयर वर्तमान में संकट की स्थिति में है और यह बंद हो सकती है। आकाश के इन पायलटों ने प्रतिद्वंद्वी विमानन कंपनी में शामिल होने के लिए इस्तीफा दे दिया है। आकाश का पक्ष रखते हुए कंपनी के वकील ने अदालत को बताया कि ये पायलट अचानक कंपनी छोड़कर चले गए और उन्होंने 6 महीने की अनिवार्य नोटिस अवधि (फर्स्ट ऑफिसर के लिए) या एक साल (कैप्टन के लिए) का भी पालन नहीं किया। इसकी वजह से आकाश को सितंबर में हर दिन 24 उड़ानें रद्द करने पर मजबूर होना पड़ा है। ये पायलट कंपनी छोड़कर प्रतिद्वंद्वी विमानन कंपनियों, मुख्य रूप से टाटा समूह द्वारा संचालित एयर इंडिया एक्सप्रेस में चले गए हैं।

आकाश एयर रोजाना करीब 120 उड़ानें संचालित करती है। अगर पायलट इसी तरह कंपनी छोड़कर जाते रहे तो सितंबर में उसे करीब 600 से 700 उड़ानें रद्द करनी पड़ सकती है। कंपनी के वकील ने कहा अगस्त में हम 600 उड़ानें रद्द कर चुके हैं।' उन्होंने अदालत से नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को अनिवार्य नोटिस अवधि के संबंध में नियम लागू करने का अधिकार देने का अनुरोध किया। डीजीसीए की ओर से अदालत में पेश वकील ने कहा कि नियामक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं कर सकता है क्योंकि अनिवार्य नोटिस अवधि से संबंधित नियमों को पायलट यूनियनों ने पहले ही अदालत में चुनौती दी हुई है और यह मामला अदालत में लंबित है।

पायलट यूनियन ने अदालत में आकाश एयर की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि नोटिस अवधि से संबंधित मामला नियामकीय मसला नहीं है बल्कि यह पायलट व विमानन कंपनी के बीच एक अनुबंध का मामला है। हालों कि उनके वकील ने अदालत से कहा कि पायलटों को प्रशिक्षित करने में 7 से 8 महीना लगता है। पायलट के कंपनी छोड़कर अचानक जाने से उनकी जगह तुरंत दूसरे को तैनात नहीं किया जा सकता। देश में विमानन क्षेत्र संकट से गुजर रहा है। गो फर्स्ट ने इस साल मई में दिवालिया आवेदन किया था।

भारत-कनाडा रार से बिगड़ेगा कारोबार, फियो प्रमुख ने कहा राष्ट्र पहले

नई दिल्ली ।

भारत और कनाडा के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ने का बुरा असर दोनों देशों के आर्थिक संबंधों पर पड़ सकता है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि भले ही कोई तात्कालिक असर न हो लेकिन विवाद लंबा खिंचने पर कारोबार पर विपरीत असर होगा। राजनीतिक वजहों से दोनों देशों के बीच शुरुआती व्यापार समझौते पर चल रही बातचीत रद्द हो चुकी है, जो अंतिम अवस्था में थी। दोनों देशों को उम्मीद थी कि इस साल के अंत तक समझौते को अंतिम रूप दिया जाएगा। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में भारत के राजदूत रह चुके जयंत दासगुप्ता ने कहा कि मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पटरी से उतरने का दोनों देशों पर विपरीत असर पड़ेगा। दासगुप्ता ने कहा, 'अगर दोनों देशों के बीच एफटीए (जिस पर बात हो रही थी) होता, तब इससे कुछ क्षेत्रों को बाजार तक पहुंच बढ़ाने में मदद मिल सकती थी। अब इस अवसर का लाभ उठाने में देरी होगी। कनाडा के साथ भारत का कारोबार कुल कारोबार के 1 प्रतिशत से कम है और वह वित्त वर्ष 23 में भारत का 35वां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था, जिसके साथ कुल व्यापार 8.16 अरब डॉलर था। वित्त वर्ष 23 के दौरान कनाडा को भारत का निर्यात 4.11 अरब डॉलर था, जो वित्त वर्ष 22 के 3.76 अरब डॉलर से अधिक है। इसका मतलब यह है कि अन्य देशों की तुलना में कनाडा को होने वाले निर्यात की हिस्सेदारी 1 प्रतिशत से भी कम है। भारत से कनाडा जाने वालों में प्रमुख निर्यातों में दवाएं, परिधान, हीरे, रसायन, रत्न एवं आभूषण, समुद्री खाद्य, इंजीनियरिंग के सामान, चावल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण व अन्य सामान शामिल हैं। बहरहाल निर्यातकों का कहना है कि लोहा और स्टील उत्पादों और मशीनरी जैसे इंजीनियरिंग के सामान पर असर पड़ सकता है। फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) के महानिदेशक और मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) अजय सहाय ने कहा, 'कारोबार पर संभवतः तत्काल कोई उल्लेखनीय असर नहीं पड़ेगा। यदि कोई असर पड़ता भी है, तब देश के लिए राष्ट्रीय महत्त्व के मामलों को देखकर व्यापार को गौड़ रखना होगा।' वित्त वर्ष 2021-22 में कनाडा से आयात 4.05 अरब डॉलर रहा है, जो 29.3 प्रतिशत बढ़ा है।

कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद पेट्रोल-डीजल के रेट स्थिर

नई दिल्ली ।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल के भाव स्थिर बने हुए हैं। कच्चे तेल में हालों कि एक बार फिर से तेजी देखने को मिल रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड जहां 91.49 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड ऑयल 94.29 डॉलर प्रति बैरल पर बना हुआ है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार तेजी के बावजूद भी पेट्रोल-डीजल की कीमतें ज्यों के त्यों बनी हुई है। गौरतलब है कि, आखिरी बार 22 मई को केंद्र सरकार द्वारा टैक्स में कटौती कर आमजन को राहत दी थी। इसके बाद करीब 561 दिनों से रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ। देश के चारों महानगरों में पेट्रोल डीजल के दाम ज्यों के त्यों रहे। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर जबे कि मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, जबे कि

चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर रहा। इसी तरह लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

जबक नोएडा में पेट्रोल की कीमत 96.79 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर है। इसके अलावा गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.75 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। वहीं, गुरुग्राम में पेट्रोल की कीमत 97.18 रुपये और डीजल 90.05 रुपये प्रति लीटर है।

सिराज बने नम्बर 1 गेंदबाज, आईसीसी रैंकिंग में बोल्ट, राशिद और स्टार्क जैसे दिग्गजों को पछाड़ा

हांगझाऊ (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज बुधवार को 5 अक्टूबर से शुरू होने वाले आईसीसी विश्व कप से पहले वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में 8 पायदान ऊपर चढ़कर नंबर एक स्थान पर पहुंच गए। एशिया कप फाइनल में श्रीलंका को 50 रन पर समेटने के लिए सिराज ने 21/6 के आंकड़े के साथ शानदार गेंदबाजी की थी जिससे ना सिर्फ भारत ने एशिया कप का खिताब जीता बल्कि सिराज को गेंदबाजी रैंकिंग चार्ट में शीर्ष पर पहुंचने में भी मदद की।

सिराज ने 12.2 की औसत से 10 विकेट लेकर टूर्नामेंट का समापन किया। उन्होंने रैंकिंग में ट्रेंट बोल्ट, राशिद खान और मिशेल स्टार्क जैसे गेंदबाजों को पीछे छोड़ दिया है। मुजीब उर रहमान और राशिद खान की अफगान स्पिन जोड़ी भी अपनी रैंकिंग में सुधार करके क्रमशः नंबर 4 और नंबर 5 पर पहुंच गई है। वे शीर्ष 10 में जाने वाले एकमात्र अन्य व्यक्ति थे।

दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज ने अपनी चोट से वापसी के बाद जबरदस्त प्रदर्शन किया। महाराज ने प्रोटियाज को 'बैगी ग्रीन्स' के खिलाफ पहले दो मैच हारने के बाद पांच मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला जीतने वाली पांचवीं टीम बनने में मदद की। पांचवें एकदिवसीय मैच में बाएं हाथ के स्पिनर के 4-33 रन ने उन्हें श्रृंखला में 16.87 की औसत और केवल 4.07 प्रति ओवर की इकॉनमी से 8 विकेट दिलाए। वह इस समय अपने पिछले करियर के उच्चतम स्तर से 10 स्थान ऊपर 15वें स्थान पर हैं।

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप : अंतिम पंघाल की शानदार शुरूआत, मौजूदा विश्व चैंपियन को हराया

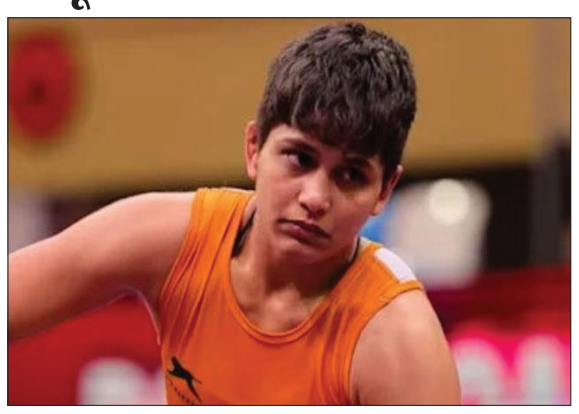

बेलग्रेड (सर्बिया) (एजेंसी)। भारत की युवा पहलवान अंतिम पंघाल ने क्वालीफिकेशन दौर में बुधवार को यहां अमेरिका की मौजूदा विश्व चैंपियन ओलिविया डोमिनिक पैरिश को हराकर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।

पंघाल पहले दौर के इस मुकाबले में एक समय 0-2 से पीछे चल रही थी लेकिन उन्होंने इसके बाद जबरदस्त वापसी करके 3-2 से जीत दर्ज की। अमेरिकी पहलवान शुरू में ही हावी हो गई थी। उन्होंने पंघाल के दाएं पांव को पकड़कर भारतीय पहलवान को नीचे गिराकर दो अंक हासिल किए। इसके बाद भारत की 19 वर्षीय पहलवान का रक्षण हालांकि काफी मजबूत था और उन्होंने इस तरह के दो अन्य प्रयासों को नाकाम कर के पहले पीरियड में आगे कोई अंक नहीं गंवाया।

पंघाल ने इसके बाद भी अपना मजबूत रक्षण बरकरार रखा और पैरिश को किसी तरह से हमला नहीं करने दिया। भारतीय पहलवान ने इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी का बायां पांव पकड़ कर उन्हें नीचे गिराया और दो अंक हासिल करके मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। पैरिश ने इसके बाद निष्क्रिय बने रहने के लिए एक अंक गंवाया। पंघाल ने अपनी इस मामूली बढ़त हो आखिर तक बरकरार रखा और जीत हासिल की।

भारत की पांच महिला पहलवान और 10 पुरुष फ्री स्टाइल पहलवान पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। वे ओलंपिक कोटा हासिल करने या गैर ओलंपिक वर्गों में पदक जीतने में नाकाम रहे।

इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती मैच से पहले टीम उत्साहित: पॉल स्टर्लिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयरलैंड के अंतरिम कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के शुरुआती मैच से पहले टीम उत्साहित है। स्टर्लिंग के पास पिछली बार एकदिवसीय मैच में दोनों टीमों के बीच हुई अच्छी यादें हैं। उन्होंने 2020 में साउथेम्पटन में आयरलैंड के लिए 7 विकेट की जीत में 142 रन बनाए और उस एक रोमांचक खेल में आयरलैंड ने जीत के लिए 329 रनों का सफलतापूर्वक पीछा किया था। स्टर्लिंग ने कहा, यह बहुत समय पहले जैसा महसूस होता है, विशेष रूप से जब यह कोविड ??परिस्थितियों में था, लेकिन मुझे लगता है कि साउथेम्पटन में उस दिन से वहां मौजूद खिलाड़ियों के लिए जीत की भावना है। मुझे पता है कि जब भी हम इंग्लैंड जाते हैं, आकर देखते हैं कि दुनिया में क्रिकेट के लिए सबसे अच्छे देशों में से एक में क्रिकेट क्या है, यह वास्तव में हमारे खिलाड़ियों को उत्साहित करता है। मुझे लगता है कि इंग्लैंड हाल ही में इतनी अच्छी टीम इसलिए रही है क्योंकि गहराई में उनकी ताकत इतनी अधिक है। मुझे लगता है कि वे संभवतः अपने शीर्ष एकादश में से किसी एक की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को ले सकते हैं और यह बहुत भिन्न नहीं होगा कि वे अपना काम कैसे करते हैं।

32 वर्षीय ने 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप के लिए क्वालीफाइ ना कर पाने के लिए निराशा के बाद एंडी बालबर्नी से पदभार संभाला है। उनका मानना है कि जैक क्रॉली के नेतृत्व वाले इंग्लैंड के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए आयरलैंड की टीम में काफी क्षमता है। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि हम जिसके खिलाफ आ रहे हैं वह मजबूत होगा। उन्होंने कहा, यह वह प्रारूप है जिस हम सभी खेलना पसंद करते हैं, और व्यक्तिगत रूप से मैं बहुत उत्साहित हूं, यह शायद मेरा पसंदीदा प्रारूप है। हम वास्तव में परिचित परिस्थितियों में वहां जाने के लिए उत्सुक हैं भले ही कैलेंडर वर्ष में काफी देर हो चुकी है, हर कोई वास्तव में वहां जाने और खेलने के लिए उत्साहित है।

आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 का एंथम सांग दिल जश्न बोले जारी

मुंबई (एजेंसी)। आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 को महज 15 दिन शेष हैं। करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों ने मैच देखने की पूरी तैयारी कर ली है। इस बीच वर्ल्ड कप के आयोजन का आधिकारिक गीत यानी एंथम सांग जारी कर दिया गया है, वह है, दिल जश्न बोले'। आईसीसी ने बताया कि काफी मशहूर और लोगों के पंसदीदा रणवीर सिंह और बॉलीवुड सिंगर प्रीतम के सहयोग से बनाया गया यह एंथम प्रशंसकों को अब तक के सबसे बड़े क्रिकेट विश्व कप का एंथम सांग होने वाला है।

इस एंथम सांग में आप इंटरनैशनल फ्लेवर के साथ भारत की ट्रेडिशनल म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट का मजा ले सकते है। आईसीसी ने बताया कि इस धुन का उद्देश्य दुनिया भर में क्रिकेट कम्युनिटी की भावनाओं को पकड़ना है, एक मैचिंग म्यूजिक वीडियो के साथ उसे प्ले करना है। इससे कई कल्चर वाले देशों के लोग और प्रशंसक एकसाथ म्यूजिक का मजा ले सकते हैं। एंथम सांग के लांच होने के मौके पर रणवीर सिंह काफी खुश नजर आए। उन्होंने कहा कि इस गाने को क्रिकेट की दुनिया में लोगों तक पहुंचाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है,

और यह सम्मान की बात है। रणवीर ने कहा, 'यह उस खेल का उत्सव है जिसे हम सभी प्यार करते हैं।'

एंथम सांग के लॉन्चिंग के मौके पर सिंगर प्रीतम भी मौजूद रहे। वे पूरी दुनिया में प्रीतम दा के नाम से मशहूर हैं। उन्होंने कहा, 'क्रिकेट भारत का सबसे बड़ा जुनून है और अब तक के सबसे बड़े विश्व कप के लिए 'दिल जश्न बोले' की रचना करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात रही है।'यह गाना सिर्फ 1.4 अरब भारतीय प्रशंसकों के लिए नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया के लिए भारत आने और अब तक के सबसे बड़े उत्सव का हिस्सा बनने के लिए है।'

बता दें कि 'दिल जश्न बोले' एंथम का म्यूजिक जाने-माने म्यूजिक डॉयरेक्टर प्रीतम ने दिया है। इस गाने की लिरिक्स को श्लोक लाल और सावेरी शर्मा ने लिखा है और इस गाने में कई फेमस गायकों ने आवाज है जिसमें जोनिता गांधी, अमित मिश्रा, नकाश अजीज, श्रीराम चंद्रा और चरण शामिल हैं। इस गाने में जो रैप गाया गया है उसे चरण ने लिखा है और गाया भी है। आईसीसी के एंथम सॉन्ग जहां एक तरफ धमाल मचा रहा है, रणवीर सिंह जैसे परफॉर्मर लॉन्च कर रहे हैं, वहीं इसमें युजवेंद्र चहल की पत्नी धनश्री वर्मा भी डांस करती नजर आ रही है। उन्होंने इस गाने के लिए कोरियोग्राफी की है।

आईसीसी ने बताया कि प्रशंसकों को कलेक्टिव फैन एंथम के जरिये गाने के हुक-स्टेप के माध्यम से अपना जुनून दिखाने का अवसर मिलेगा, जो ट्यून और टूर्नामेंट के लिए दुनिया के उत्साह को प्रदर्शित करेगा। बस इसके लिए आपको अपने एक दोस्त के साथ टीम बनाना होगा और अपने यूनिक हुक-स्टेप परफॉर्मेंस को कैप्चर करना होगा।

आईसीसी 2024 पुरुष टी20 विश्व कप के आयोजन स्थलों में न्यूयॉर्क का नाम शामिल

न्यूयॉर्क । अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में होने वाले बहुप्रतीक्षित 2024 पुरुष टी20 विश्व कप के आयोजन स्थलों में से एक के रूप में न्यूयॉर्क की घोषणा करने के लिए तैयार है। समझा जा सकता है कि यह स्थान भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले अहम मुकाबले की मेजबानी करेगा। ऐसा ही एक स्थल ब्रोंक्स के वान कॉर्टलैंड पार्क में बनाया जाना था। लेकिन पड़ोस के कुछ निवासियों और पास की एक क्रिकेट लीग ने योजनाओं का कड़ा विरोध किया, जिससे शहर के अधिकारियों और आईसीसी को योजना को छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। रिपोर्ट में बताया गया है कि परिणामस्वरूप, आइजनहावर पार्क के संचालन की देखरेख करने वाले नासाउ काउंटी के अधिकारी बातचीत में शामिल हो गए, इस पर अब 2024 पुरुष टी20 विश्व कप से पहले गंभीरता से विचार किया जा रहा है। अमेरिका में क्रिकेट के बुनियादी ढांचे की कमी हमेशा आईसीसी के लिए बड़ी चिंता का विषय रही है। मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के उद्घाटन सत्र में डलास में 15 हजार सीटों वाले ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम का अनावरण हुआ, लेकिन इसके अलावा और मियामी के पास सेंट्रल ब्रोवार्ड पार्क के अलावा, देश में सभी सुविधाओं के साथ एक और स्थायी फ्लडलाइट स्टेडियम का अभाव है।

स्पेन की महिला फुटबॉल टीम बहिष्कार खत्म करने को राजी

मैड्रिड - चुंबन विवाद के कारण खेल का बहिष्कार कर रही स्पेन की महिला फुटबाल टीम की अधिकतर सदस्य मैदान पर लौटने को राजी हो गई हैं। यह दावा स्पेन के खेल सचिव विक्टर फैंकोस ने बुधवार को किया। उनका कहना है कि महिला फुटबाल टीम की अधिकतर खिलाड़ी बहिष्कार समाप्त करने पर सहमत हो गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार फैंकोस ने कहा कि सात घंटे से अधिक समय तक चली बैठकों के बाद यह समझौता हुआ है। इस महीने के नेशंस लीग खेल के लिए बुलायी गयी 23 खिलाड़ियों में से दो ने टीम से बाहर होने का फैसला किया है। उन्होंने कहा 'स्पेनिश फुटबॉल महासंघ (आरएफईएफ) ने 'तत्काल और गहन बदलाव' के लिए प्रतिबद्धता जताई है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने महिला विश्व कप फाइनल में इंग्लैंड पर स्पेन की जीत के बाद तत्कालीन आरएफईएफ अध्यक्ष लुइस रुबियल्स द्वारा फॉरवर्ड खिलाड़ी जेनी हर्मोसो को चूमने के बाद खिलाड़ियों ने खेल का बहिष्कार शुरू कर दिया था। हालांकि चुंबन विवाद के कारण रुबियल्स को इस्तीफा देना पड़ा, जबकि स्पेन के मैनेजर जॉर्ज विल्डा को बर्खास्त कर दिया गया था।

रविचंद्रन अश्विन के टीम में चयन पर पठान ने उठाए सवाल, सब कुछ भाग्य के भरोसे

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली भारतीय वनडे सीरीज में ऑफ-स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को अचानक शामिल किए जाने से खुश नहीं हैं और उन्होंने इस पर सवाल उठाए हैं। पठान का मानना है कि प्लानिंग की कमी थी और अश्विन को ज्यादा मौके दिए जाने चाहिए थे।

पठान ने कहा, आपको पूरी दुनिया में अश्विन से बेहतर स्पिनर मिलता है। लेकिन विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में जहां अत्यधिक दबाव होता है, आप एक वरिष्ठ खिलाड़ी से उस प्रारूप में टीम के लिए खेलने की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। अश्विन ने लंबे समय से नहीं खेला है और अपनी योग्यता साबित नहीं की है। इसलिए आप पूरी तरह से भाग्य पर छोड़ रहे हैं। यहां कोई प्लानिंग नहीं है। अगर अश्विन के लिए कोई योजना थी, तब उन्हें विश्व कप से पहले कुछ खेल का समय देना था। हां, वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने वाले हैं, लेकिन क्या यह काफी है? आपको 10 ओवर गेंदबाजी करनी होगी, टीम में भी तालमेल बिठाना होगा और भारत को वैसा परिणाम देना होगा। यह इतना आसान नहीं है। योजना बेहतर होनी चाहिए थी। अश्विन को वापस टीम में लाने का निर्णय 2023 आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप से पहले लिया गया है, जो अगले महीने शुरू होने वाला है। अश्विन को अस्थायी एकदिवसीय विश्व कप टीम में नहीं चुना गया था, न ही वह एशिया कप का हिस्सा थे। हालांकि अक्षर पटेल के चोटिल होने से अश्विन की वनडे फॉर्मेट में वापसी संभव दिख रही है। बीसीसीआई के चयन अध्यक्ष अजीत अगरकर ने सुझाव दिया कि पटेल के पास विश्व कप के लिए समय पर स्वस्थ होने का अच्छा मौका है।

एशियाई खेल: चीन के खिलाफ हार के बाद करो या मरो के मुकाबले में बांग्लादेश से भिड़ेगा भारत

हांगझोउ (एजेंसी)। मेजबान चीन के खिलाफ पहले मैच में करारी हार के बाद भारत गुरुवार को यहां एशियाई खेलों की फुटबॉल प्रतियोगिता के करो या मरो के ग्रुप मैच में बांग्लादेश के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगा। भारतीय टीम सोमवार देर शाम यहां पहुंची थी और उचित आराम और नींद के बिना उसने मंगलवार को चीन के खिलाफ अपना पहला मैच खेला जिसमें टीम को 1-5 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

नॉकआउट की दौड़ में बने रहने के लिए इगोर स्टिमक की टीम को ग्रुप ए मैच में बांग्लादेश को हर हाल में हराना होगा। बांग्लादेश के खिलाफ हार से भारत टूर्नामेंट से बाहर नहीं होगा क्योंकि छह ग्रुप से तीसरे स्थान पर रहने वाली चार सर्वश्रेष्ठ टीम भी प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी

लेकिन ऐसी स्थिति में अंतिम मैच से पहले काफी अनिश्चितता रहेगी। तीसरे स्थान पर रहने वाली चार सर्वश्रेष्ठ टीम में से एक के रूप में क्वालीफाई करने से भारत को प्री क्वार्टर फाइनल में मजबूत टीम का सामना करना पड़ सकता है।

बांग्लादेश की टीम किसी भी स्तर पर भारत के लिए आसान टीम नहीं रही है और वे भी पहले मैच में म्यांमार के खिलाफ 0-1 की हार के बाद वापसी करने की कोशिश करेंगे। डिफेंडर कोनसैम चिंगलेनसाना सिंह वीजा में विलंब के कारण टीम के साथ यात्रा नहीं कर पाए। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने उनके लिए 'एक्सप्रेस वीजा' का इंतजाम किया और वह यहां अलग से पहुंचे। एक्सप्रेस वीजा दो से तीन दिन में मिल जाता है।

सुनील छेत्री की अगुआई वाली टीम के लिए बांग्लादेश को हराकर प्रतियोगिता की पहली जीत दर्ज करना आसान नहीं होगा क्योंकि इंडियन सुपर लीग क्लबों के खिलाड़ियों को छोड़ने से इनकार करने के बाद अंतिम समय में टीम तैयार की गई और इसमें अधिकतर अंजान चेहरे हैं। भारत ने हालांकि चीन को पहले हाफ में कड़ी टक्कर दी थी लेकिन दूसरे हाफ में खिलाड़ियों पर थकान हावी दिखी।

एशिया कप फुटबॉल चैंपियनशिप में ज्योति चौहान का मैच आज

-भारत का पहला मुकाबला चीनी ताइपे से होगा

धार । धार जिले की सरदारपुर की अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी ज्योति चौहान एशिया कप महिला फुटबॉल चैंपियनशिप में आज भारत देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। डीएफए धार के सचिव सुभाष डेविड ने बताया भारत का पहला मुकाबला

चीनी ताइपे से गुरुवार 21 सितंबर 2023 कोभारतीय समयानुसार शाम 5:00 बजे से खेला जाएगा। ज्योति चौहान के कोच शैलेंद्र पाल ने बताया की ज्योति चौहान पहली बार भारत की ओर से एशिया कप में भाग ले रही है, इस चैंपियनशिप में वह अपना श्रेष्ठतम खेल का प्रदर्शन करेंगी। वरिष्ठ प्रशिक्षक शमशेर सिंह यादव ने कहा कि ज्योति चौहान का एशिया कप में भारत का प्रतिनिधित्व करना धार जिले के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। एशिया कप फुटबॉल चैंपियनशिप में ज्योति चौहान को श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्र, एसपी श्री मनोज कुमार सिंह, आर आई श्री पुरुषोत्तम बिश्नोई, खेल एवं युवा कल्याण विभाग धार, जिला फुटबॉल संघ धार, एथलेटिक्स एसोसिएशन धार, नेहरू युवा केंद्र धार, सरदारपुर स्पोर्ट्स क्लब सरदारपुर, यूथ स्पोर्ट्स क्लब बदनावर, प्राइम स्पोर्ट्स क्लब धार, ब्लू बाइज़ फुटबॉल क्लब धार, मालवा क्लब धार ,डायमंड क्लब धार, रॉयल क्लब धार, आदिवासी फुटबॉल क्लब धार, यूनाइटेड क्लब धार, तथा अनेक खेल संगठनों और खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं प्रेषित की है।

घरेलू हिंसा के मामले में मोहम्मद शमी को मिली जमानत

कोलकाता । भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और उनके भाई को उनकी पत्नी हसीन जहां द्वारा उनके खिलाफ दायर घरेलू हिंसा के मामले में कोलकाता की एक निचली अदालत ने जमानत दे दी। शमी के बड़े भाई मोहम्मद हसीब को भी इसी अदालत ने जमानत दी थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मार्च 2018 में भारत के तेज गेंदबाज की पत्नी ने घरेलू हिंसा का मामला दर्ज कराया था। अपनी शिकायत में उन्होंने शमी के कथित विवाहेतर संबंधों का विरोध करने के बाद शमी पर शारीरिक उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने इस मामले में शमी और उनके बड़े भाई से भी पूछताछ की थी और दोनों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया था। हालांकि कोलकाता की एक निचली अदालत ने उस वारंट पर रोक लगा दी थी ।इसके बाद जहां ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

विरुष्का के घर पर हुआ गजानन का भव्य स्वागत

मुंबई । बी-टाउन इंडस्ट्री में इनदिनों गणेशोत्सव की धूम है। बॉलीवुड स्टार्स हर बार की तरह धूमधाम से अपने घरों में गणपति बप्पा का स्वागत कर रहे हैं। इसी बीच पावर कपल अनुष्का शर्मा और विराट कोहली के घर भी बप्पा पधारे हैं। कपल ने हर्षोल्लास से गजानन का स्वागत किया है, जिसकी तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं। अनुष्का द्वारा शेयर की गई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि उन्होंने पति संग बड़े ही हर्षोल्लास से बप्पा का वेलकम किया। मंदिर को बड़े खूबसूरत तरीके से सजाया। इस दौरान विरुष्का का ट्रेडिशनल लुक देखने को मिला। अनुष्का रेड येलो कलर की सिल्क साड़ी में गजब ढा रही हैं। इस लुक को उन्होंने गले में हार, कानों में इयररिंग्स और माथे पर बिंदी से पूरा किया है। ओवरऑल लुक में अनुष्का का अंदाज देखते ही बन रहा है। वहीं उनके क्रिकेटर पति व्हाइट कुर्ता पैजामा में परफेक्ट लग रहे हैं। इन तस्वीरों में कहीं कपल मंदिर में पूजा की तैयारियों में व्यस्त दिख रहा है, तब कहीं दोनों एक साथ जबरदस्त पोज दे रहे हैं।

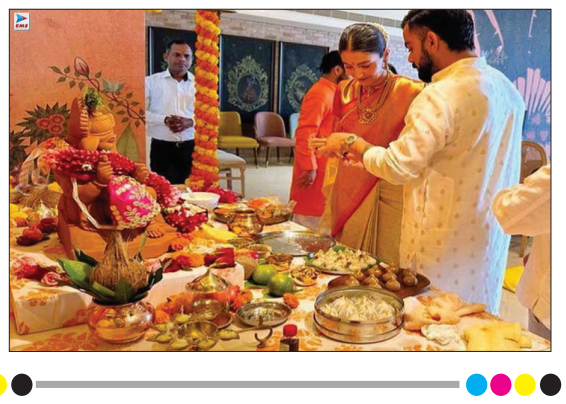

मेरे खाते में केवल 900 यूरो बचे हैं, अच्छी जिंदगी नहीं जी पा रहा हूं: सुमित नागल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एटीपी टूर में खेलने के लिए एक करोड़ रुपए के बजट की व्यवस्था करने के बाद भारत के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल के बैंक खाते में अब एक लाख रुपए से भी कम की धनराशि बची है और अच्छी जिंदगी नहीं जी पाने के कारण वह उदास हैं। वह पिछले कुछ वर्षों से जर्मनी की नानसेल टेनिस अकादमी में अभ्यास कर रहे थे लेकिन पैसों की कमी के कारण वह 2023 के सत्र के शुरुआती तीन महीनों में अपने पसंदीदा स्थान पर अभ्यास नहीं कर पाए। उनके मित्र सोमदेव देववर्मन और क्रिस्टोफर मार्कुइस ने जनवरी और फरवरी में उनकी मदद की थी।

वित्तीय समस्याओं से जूझना शायद प्रत्येक भारतीय टेनिस खिलाड़ी की कहानी है लेकिन सच्चाई यह है कि देश का नंबर एक एकल खिलाड़ी अपने और अपने परिवार के लिए पर्याप्त धनराशि नहीं जुटा पा रहा है जिससे अप्रभावी प्रणाली और एटीपी टूर से जुड़े संघर्ष का पता चलता है जहां खिलाड़ी को अपनी लड़ाई खुद लड़नी पड़ती है। एटीपी टूर में खेलने के लिए नागल ने अपनी सारी पुरस्कार राशि, आईओसीएल से मिलने वाला अपना वेतन और महा टेनिस फाउंडेशन से मिलने वाली सहायता राशि को खर्च किया है। उनका यह खर्च पाइन में अभ्यास केंद्र में रुकने तथा अपने कोच या फिजियो के साथ टूर्नामेंट के लिए यात्राओं पर होता है।

नागल ने कहा, 'अगर मैं अपने बैंक में जमा धनराशि की बात करूं तो मेरे पास इतनी ही राशि है जितनी की वर्ष के शुरुआत में थी। यह 900 यूरो (लगभग 80000 रुपए) है। मुझे थोड़ी मदद भी मिली। महा टेनिस फाउंडेशन के प्रशांत सुतार मेरी मदद कर रहे हैं तथा मुझे आईओसीएल से मासिक (वेतन) भी मिलता है लेकिन मेरे पास कोई बड़ा प्रायोजक नहीं है।' नागल ने इस साल 24 टूर्नामेंटों में हिस्सा लिया जिनसे उन्होंने लगभग 65 लाख रुपए की कमाई की। उन्हें सबसे बड़ी पुरस्कार राशि अमेरिकी ओपन से मिली जहां वह क्वालीफायर के पहले दौर में हार गए थे लेकिन इसके बावजूद उन्हें 22000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 18 लाख रुपए) मिले।

उन्होंने कहा, 'मैं जो भी कमाई कर रहा हूं उसे खर्च कर दे रहा हूं। मेरा वार्षिक खर्च लगभग 80 लाख से लेकर एक करोड़ रुपए तक है और यह भी तब है जबकि मैं केवल एक कोच के साथ यात्रा करता हूं। मैंने जो भी कमाया उसे खर्च भी कर दिया।' नागल ने कहा, 'मुझे लगता है कि पिछले कुछ वर्षों से भारत का नंबर एक खिलाड़ी होने के बावजूद मुझे पर्याप्त सहयोग नहीं मिल रहा है। मैं ग्रैंड स्लैम के लिए क्वालीफाई करने वाला एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हूं तथा मैंने पिछले साल ओलंपिक में एक मैच भी जीता था इसके बावजूद सरकार ने मुझे टॉप्स में शामिल नहीं किया है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि चोटिल होने के कारण जब मेरी रैंकिंग गिर गई तो किसी ने भी मेरी मदद करना उचित नहीं समझा। किसी को भी विश्वास नहीं था कि मैं वापसी कर सकता हूं। यह निराशाजनक है क्योंकि मुझे लगता है कि मैं जो कुछ भी करता हूं वह पर्याप्त नहीं है। भारत में वित्तीय सहायता हासिल करना बहुत मुश्किल है। ईमानदारी से कहूं तो मुझे पता

नहीं कि क्या करना है। मैंने हार मान ली है।'

पंजाबी बाग में प्राइमरी स्कूल के शिक्षक के बेटे नागल को पिछले साल कोर्ट से बाहर की समस्याओं से भी जूझना पड़ा। उन्होंने अपने कूल्हे का ऑपरेशन करवाया और वह दो बार कोविड-19 की चपेट में भी आए। नागल ने कहा, 'मेरे पास बचत के नाम पर कुछ भी नहीं है और मैं टूट रहा हूं। मैं यह नहीं कह सकता कि मैं बहुत अच्छी जिंदगी जी रहा हूं जहां मुझे काम करने की जरूरत नहीं है। मैंने पिछले दो वर्षों में खास कमाई नहीं की है।% नागल एटीपी एकल रैंकिंग में 159वें स्थान पर हैं जो भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ है। उनके बाद शशि कुमार मुकुंद का नंबर आता है जिनकी विश्व रैंकिंग 407 है।

खूबसूरत ऐतिहासिक शहर कच्छ

गुजरात विकास के लिए ही नहीं पर्यटन के लिए भी मशहूर है और यहां के कच्छ के बारे में तो कहा जाता है कि कच्छ नहीं देखा तो कुछ नहीं देखा। कच्छ गुजारात का एक खूबसूरत ऐतिहासिक शहर है। कहा जाता है कि अगर कच्छ नहीं देखा तो गुजरात की यात्रा अधूरी है। पर्यटकों को लुभाने के लिए यहां बहुत कुछ है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हर साल कच्छ महोत्सव आयोजित किया जाता है। यहां का ज्यादातर भाग रेतीला और दलदली है।

कच्छ गुजरात का सबसे मशूहर पर्यटक स्थल है। कच्छ में आपको गुजरात की असली छाप देखने को मिलेगी। कच्छ में आपको ऐतिहासिक इमारतें जखाऊ, कांडला और मुन्द्रा बंदरगाह है। जिले में अनेक ऐतिहासिक इमारतें, मंदिर, मस्जिद, हिल स्टेशन और कई खूबसूरत पर्यटन स्थल है। कच्छ में हर साल कच्छ महोत्सव आयोजित किया जाता है। कच्छ का ज्यादातर हिस्सा रेतीला और दलदली है। यहां की सफेद रेत पर चलने का एक अलग ही मजा है।

कच्छ बीच-भुज से करीब 60 किमी। दूर स्थित यह बीच गुजरात के सबसे आकर्षक बीचों में एक माना जाता है। दूर-दूर फैले नीले पानी को देखना और यहां की रेत पर टलहना पर्यटकों को खूब भाता है। साथ की अनेक प्रकार के जलपक्षियों को भी यहां देखा जा सकता है। सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा यहां से बड़ा आकर्षक प्रतीत होता हैं।

कंठकोट किला

एक अलग-थलग पहाड़ी के शिखर पर बने इस किले का निर्माण 8वीं शताब्दी में हुआ था। कहा जाता है कि 1816 में अंग्रेजों ने इस पर अधिकार कर लिया और इसका अधिकांश हिस्सा नष्ट कर दिया। किले के पास ही जैन मंदिर, कंथडनाथ मंदिर और सूर्य मंदिर है।

नारायण सरोवर मंदिर

ये मंदिर भगवान विष्णु के सरोवर के नाम से जाना जाता है। इस स्थान में पांच पवित्र झीलें हैं। इन तालाबों को भारत के सबसे पवित्र तालाबों में गिना जाता है। नारायण सरोवर को हिन्दुओं के अति प्राचीन और पवित्र तीर्थस्थलों में शुमार किया जाता है। श्री त्रिकमरायजी, लक्ष्मीनारायण, गोवर्धननाथजी, द्वारकानाथ, आदिनारायण, रणछोडरायजी और लक्ष्मीजी के मंदिर आकर्षक मंदिरों को यहां देखा जा सकता है।

भद्रेश्वर जैन मंदिर

ये प्राचीन जैन मंदिर जैन धर्म के अनुयायियों के लिए अति पवित्र माना जाता है। भद्रावती में 449 ईसा पूर्व राजा सिद्धसेन का शासन था। बाद में यहां सोलंकियों का अधिकार हो गया जो जैन मतावलंबी थे। उन्होंनें इस स्थान का नाम बदलकर भद्रेश्वर रख दिया।

कांडला बंदरगाह

यह राष्ट्रीय बंदरगाह देश के 11 सबसे महत्वपूर्ण बंदरगाहों में एक है। यह बंदरगाह कांडला नदी पर बना है। मांडवी बंदरगाह यह बंदरगाह कच्छ जिले के सबसे प्राचीन बंदरगाहों में एक है। वर्तमान में मात्र मछ्ली पकडने के उद्देश्य से इसका प्रयोग किया जाता है। यह बंदरगाह देश के 11 सबसे महत्वपूर्ण बंदरगाहों में एक है। इस बंदरगाह को महाराव श्री खेनगरजी तृतीय और ब्रिटिश सरकार के सहयोग से 19वीं शताब्दी में विकसित किया गया था।

कच्छ मांडवी बीच

कच्छ मांडवी बीच को गुजरात के सबसे आकर्षक बीचों में से एक माना जाता है। यहां से सूर्योदय और सूर्यास्त का बेहद सुंदर नजारा देखा जा सकता है। यहां पर आपको दूर-दूर तक नीला पानी दिखाने को मिलेगा। इसके अलावा यहां पर कई प्रकार के जलपक्षियों को भी देखा जा सकता है।

जखऊ बंदरगाह

ये बंदरगाह कच्छ जिले के सबसे प्राचीन बंदरगाहों में एक है। अब इस बंदरगाह का इस्तेमाल केवल मछ्ली पकडने के लिए किया जाता है।

धौलावीरा

यहां का पुरातात्विक स्थल हडप्पा संस्कृति का प्रमुख केन्द्र था। भुज से करीब 250 किमी दूर धौलावीरा में हडप्पा संस्कृति फली-फूली थी। यह संस्कृति 2900 ईसा पूर्व से 2500 ईसा पूर्व की मानी जाती है। सिंधु घाटी सभ्यता के अनेक अवशेषों को यहां देखा जा सकता है।

पश्चिमोत्तर कच्छ

यहां कई धार्मिक स्थले हैं। हिन्दू धर्म के पवित्र सरोवरों में से एक नरायण सरोवर, उससे थोड़ी ही दूर पर प्रसिद्ध भगवान शिव और रावण का कोटेश्वर मंदिर

कैसे पहुंचें-

सड़क मार्ग से कच्छ आसानी से जाया जा सकता है। सड़क मार्ग से गुजरात और पड़ोसी राज्यों के कई शहर जुड़े हैं। यहां के लिए राज्य परिवहन और प्राईवेट डीलक्स बसें अनेक शहरों से चलती हैं।

वायु मार्ग- भुज और कांदला दो महत्वपूर्ण एयरपोर्ट हैं।

रेल मार्ग- यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन गांधीधाम और भुज जिले के पास है।

सड़क मार्ग- गुजरात पड़ोसी राज्यों के कई शहर जुड़े हैं। यहां पर जाने के लिए आसानी से बस मिल जाती है।

सुखद अहसास कराता है गुरुदेव का शांति निकेतन

कोलकाता से 210 किलोमीटर दूर वीरभूम जिले में पड़ने वाला शांतिनिकेतन अंतर्राष्टीय विश्वविद्यालय विश्व भारती के लिए प्रसिद्ध है जिसकी स्थापना गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने की थी। 1863 में महर्षि देवेंद्र नाथ टैगोर द्वारा एक आश्रम के रूप में स्थापित किये गये इस विश्वविद्यालय में देश-विदेश के छात्र कला व संस्कृति की नई ऊंचाइयां छूते हैं।

शांतिनिकेतन में टैगोर की चित्रकला व मूर्तिकला के साथ ही बोस, रामकिंकर, विनोद बिहारी मुखोपाध्याय की कलाकृतियों के दर्शन करना सचमुच एक सुखद अहसास करता है। शांति निकेतन के दर्शनीय स्थलों की बात करें तो आईए आपको सबसे पहले लिए चलते हैं उत्तरायण परिसर में, जहां कि कविगुरु स्वयं रहा करते थे। इसमें उदयन, श्यामली, कोणार्क, पुनश्च तथा उदीचि जैसे कई भवन मौजूद हैं साथ ही इनके अलावा आप ललित कला का कालेज, कला भवन, संगीत भवन, नृत्व व संगीत के कालेज, विद्या भवन, शिक्षा भवन, विनय भवन, हिंदी भवन, चीना भवन आदि भी देख सकते हैं।

शांतिनिकेतन से लगभग तीन किलोमीटर दूर डियर पार्क है। जिसमें आपको हिरण विचरते हुए नजर आएंगे। लोग यहां पिकनिक का आनंद उठाने आते रहते हैं। यहां से 78 किलोमीटर की दूरी पर मासनजोर स्थित है। मयूराक्षी नदी पर बना यहां का बांध आसपास के पहाड़ी सौंदर्य के कारण बहुत ही सुन्दर दिखता है, दूर से आए सैलानियों को तो यह स्थल बहुत ही भाता है। यहां के यूथ होस्टल में ठहरने की भी व्यवस्था है। यहां से लगभग 23 किलोमीटर की दूरी पर ननूर है, जोकि 14वीं सदी के वैष्णव कवि चंडीदास का जन्मस्थल है। यदि आप यहां जाना चाहें तो बोलपुर रेलवे स्टेशन से बस द्वारा यहां एक घंटे में पहुंचा जा सकता है। शांतिनिकेतन से 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित तारापीठ जाने के लिए बोलपुर से रामपुरहाट बस या ट्रेन से जाना पड़ेगा। वैस रामपुरहाट से तारापीठ केवल पांच किलोमीटर दूर है। यहां रामकनाई धर्मशाला भी है जहां आप रूक सकते हैं। तारापीठ के बारे में आपको एक बात बता दें कि यह तांत्रिक अनुष्ठानों के लिए प्रसिद्ध स्थल है।

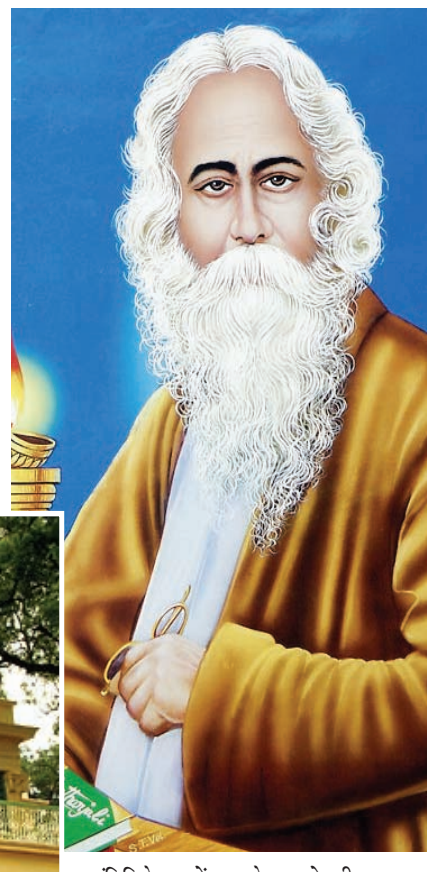

यहां की प्रसिद्ध वस्तुओं की बात करें तो आप पाएंगे कि यहां हथकरघा के वस्त्र अपनी कलात्मक डिजाइनों के लिए काफी प्रसिद्ध हैं। बोलपुर, सर्वोदय आश्रम, विश्व भारती शिल्प सदन एवं शांतिनिकेतन कोआपरेटिव स्टोर्स से आप इन वस्त्रों की खरीददारी कर सकते हैं।

मौसम के हिसाब से देखें तो इस स्थल की सबसे खास बात यह है कि यहां वर्ष भर में कभी भी जाया जा सकता है। वैसे विश्व भारती विश्वविद्यालय मई-जून तथा सितंबर-अक्टूबर में पूजा की छुट्टियों में बंद रहता है। यदि आप यहां जाने का कार्यक्रम बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको बताए देते हैं कि पश्चिम बंगाल सरकार का पर्यटन विभाग एक रात व दो दिन का पैकेज टुअर पौष मेला के लिए विशेष तौर पर चलाती है। आप इन टुअर पैकेजों के लिए बोलपुर स्टेशन के पर्यटन कार्यालय से संपर्क साध सकते हैं।

शांतिनिकेतन में आपके ठहरने की व्यवस्था भी आराम से हो सकती है। आप यहां के होटलों में फोन करके एडवांस बुकिंग भी करा सकते हैं या फिर चाहें तो शांतिनिकेतन व बोलपुर में मौजूद सस्ते डाक बंगलों में भी ठहर सकते हैं। इन डाक बंगलों में ठहरने का खर्च प्रति व्यक्ति लगभग पचास से सौ रूपये आता है।

शांतिनिकेतन तक पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन बोलपुर है जो कि यहां से दो किलोमीटर दूर है। आपको बोलपुर तक आने के लिए हावड़ा, सियालदाह व गुवाहाटी से रेल सेवाएं मिल सकती हैं यदि आप सड़क मार्ग से आना चाहें तो कोलकाता के अतिरिक्त दुर्गापुर व सारनाथ से भी सड़क मार्ग से जा सकते हैं। वैसे कोलकाता से शांतिनिकेतन के लिए सरकारी बस सुबह आठ बजे चलती है।

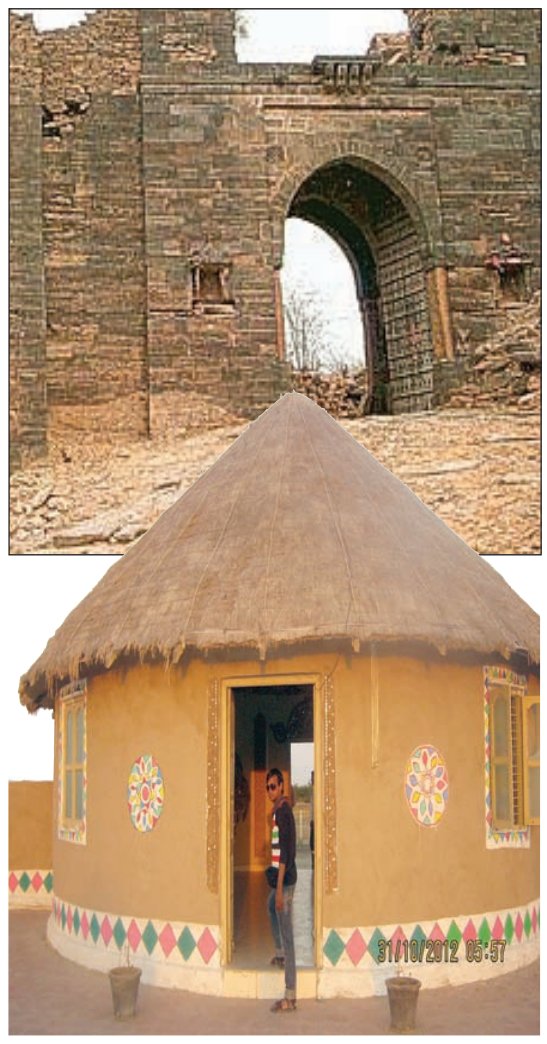

स्वचालित रोबोकॉल से ठगी करने के दोषियों को 41 महीने की जेल

न्यूयॉर्क । अमेरिका भर में पीड़ितों से वायर ट्रांसफर में अवैध रूप से प्राप्त 12 लाख डॉलर स्वीकार करके वायर धोखाधड़ी की साजिश में उनकी भूमिका के लिए दो भारतीय नागरिकों को 41 महीने जेल की सजा सुनाई गई है। अमेरिकी अटॉर्नी फिलिप आर. सेलिंगर ने बताया कि 29 वर्षीय अरुशोबाइक मित्रा और 25 वर्षीय गरबिटा मित्रा को अमेरिकी जिला न्यायाधीश एस्थर सालास के समक्ष वायर धोखाधड़ी की साजिश के एक मामले में दोषी ठहराया गया था। न्यायाधीश सालास ने मंगलवार को नेवार्क संघीय अदालत में सजा सुनाई। अमेरिकी अटॉर्नी सेलिंगर ने कहा कि इन प्रतिवादियों और उनके साजिशकर्ताओं ने छल और धमकियों का इस्तेमाल करके हमारे कुछ सबसे कमजोर नागरिकों को अपना शिकार बनाया और उन्हें पैसे भेजने के लिए मजबूर किया। हमारी बुजुर्ग आबादी को इस प्रकार के धोखेबाज रोबोकॉल घोटालों से बचाना हमारे कार्यालय की प्राथमिकता है। जो लोग इस तरह की बुजुर्ग धोखाधड़ी योजना में शामिल हैं, वे न्याय का सामना करने के लिए तैयार रह सकते हैं। इस मामले में दायर दस्तावेजों और अदालत के बयानों के अनुसार, एक अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी योजना के हिस्से के रूप में, आपराधिक भारत-आधारित कॉल सेंटरों ने अमेरिकी निवासियों, विशेष रूप से बुजुर्गों को धोखा देने के इरादे से देश भर में पीड़ितों के लिए स्वचालित रोबोकॉल का उपयोग किया। इन स्वचालित कॉलों के माध्यम से पीड़ितों के साथ संपर्क स्थापित करने के बाद साजिश के अन्य सदस्य पीड़ितों को अपने साथी सदस्यों को नकद शिपमेंट या वायर ट्रांसफर के माध्यम से बड़ी रकम भेजने के लिए मजबूर करते थे या बरगलाते थे। इन षड्यंत्रकारियों ने पीड़ितों को पैसे भेजने के लिए राजी करने के लिए कई तरह के हथकंडों का इस्तेमाल किया, जिसमें खुद को सामाजिक सुरक्षा प्रशासन जैसी एजेंसियों के सरकारी अधिकारी बताना या एफबीआई या डीईए के कानून प्रवर्तन अधिकारी बताना शामिल था। वे पीड़ितों को पैसे न देने पर गंभीर कानूनी या वित्तीय परिणाम भुगतने की धमकी देते थे। अन्य हथकंडों में कॉल करने वाले पीड़ित को यह विश्वास दिलाते थे कि वे एक तकनीकी सहायता कंपनी के किसी व्यक्ति से बात कर रहे हैं और पीड़ित को उसके पर्सनल कंप्यूटर का रिमोट एक्सेस प्रदान करने के लिए मजबूर करते थे। इसके बाद कॉल करने वाला पीड़ित के बैंक खातों तक पहुंच बनाता था उसे यह दिखाता था कि उसने अनजाने में पीड़ित के बैंक खाते में पैसे भेज दिए हैं, जबकि वास्तव में कॉल करने वाले ने पीड़ित के ही किसी अन्य खाते से पैसे ट्रांसफर किए होते थे। फिर कॉल करने वाला पीड़ित को अन्य सदस्यों को मेल या वायर ट्रांसफर के माध्यम से पैसे वापस करने का निर्देश देगा। जेल की शर्तों के अलावा, न्यायाधीश सालास ने अरुशोबाइक और गार्बिटा को तीन साल की निगरानी में रिहाई की सजा सुनाई और उन्हें क्षतिपूर्ति के रूप में 8,35,324 डॉलर का भुगतान करने का आदेश दिया।

तुर्की राष्ट्रपति एर्दोगन से उद्योगपति मस्क की अनौपचारिक संवाद में बनी अहम सहमति

सैन फ्रांसिस्को । राष्ट्रपति तैयप एर्दोगन के साथ मीटिंग के लिए अपने पुत्र एक्स के साथ पहुंचे बिजनेसमैन एलन मस्क के बीच मनोरंजक बातचीत हुई। न्यूयॉर्क के टर्किश हाउस में हुई इस मुलाकात के दौरान, मस्क ने पुत्र को गोद में बिठा रखा था, वहीं राष्ट्रपति एक्स की ओर बार-बार बॉल उछालते रहे लेकिन उसने पकड़ने की कोशिश नहीं की। मीटिंग के दौरान, एर्दोगन ने मस्क से पूछा, 'आपकी पत्नी कहां हैं?' इस पर मस्क ने बताया कि तलाक के बाद से वह सैन फ्रांसिस्को में हैं, और वे पुत्र पर ध्यान देते हैं। मस्क के कनाडाई सिंगर ग्रिम्स से तीन संतान हैं। पती का पहला बच्चा एक्स एई ए12 मई 2020 में पैदा हुआ था।दोनों से एक्सा डार्क साइडरेल मस्क नामक पुत्री भी है। तीसरा टेक्नो मैकेनिकस नामक संतान की जानकारी इसी महीने दी गई। मस्क और ग्रिम्स ने कभी शादी नहीं की, हालांकि टेक अरबपति ने पहले कनाडाई लेखिका जस्टिन विल्सन और अंग्रेज अभिनेत्री तलुलाह रिले से शादी की थी। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति एर्दोगन ने टेस्ला से तुर्की में अपना 7वां कारखाना खोलने की बात की। एर्दोगन ने बैठक के दौरान यह भी कहा कि तुर्की कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्टारलिंक पर सहयोग के लिए तैयार है। वहीं, बातचीत के दौराम मस्क ने कहा कि टेस्ला की फैक्ट्री के लिए तुर्की सबसे उपयुक्त जगहों में से एक है। जल्द ही स्पेस-एक्स स्टार लिंक की सेवाएं तुर्की को प्रदान करेगा, इसके लिए अधिकारियों से बातचीत शुरू की जाएगी। वहीं, मस्क को सितंबर के अंत में इज़मिर में तुर्की एयरोस्पेस और प्रौद्योगिकी महोत्सव 'टेक्नोफेस्ट' में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

भूकंप से तबाही के बाद मोरक्को में लड़कियों पर टूटा शोषण का कहर

रबात । अफ्रीकी देश मोरक्को में भूकंप से तबाही के बाद शोषण का कहर टूट पड़ा है। यहां 8 सितंबर को आई प्राकृतिक आपदा ने जहां सबकुछ छीन लिया है वहीं यह भूकंप महिलाओं और लड़कियों के लिए और भी ज्यादा तबाही लेकर आया है। भूकंप के बाद यहां, बेघर हुईं महिलाओं और लड़कियों के शोषण और शादी के लिए पुरुषों द्वारा ऑनलाइन पोस्ट शेयर किए जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर इन पोस्टों को देखते हुए महिला अधिकार कार्यकर्ता और संगठन हाई अलर्ट पर हैं। फेसबुक पर 'सिटी गर्ल्स' नाम के एक पेज पर लड़कियों के तरह तरह के पोस्ट शेयर किए जा रहे हैं। एक पोस्ट में लिखा गया है, 'आप उस शख्स से शादी क्यों करना चाहेंगे, जो आपसे टाइट कपड़े और अपना शरीर दिखने के लिए महंगे कपड़े और आपके बच्चे को पालने के लिए पैसे मांगता हो? उन लड़कियों से शादी करो जो आपसे किसी भी चीज की डिमांड नहीं करती हैं। एक अन्य इंस्टाग्राम स्टोरी में, भूकंप के बाद बचाव कार्य में लगा स्वयंसेवी ने अपने पास में खड़ी एक 10 साल की लड़की की फोटो शेयर कर शादी के ?लिए रजमंदी की बात कह रहा है। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता यासमिना बेन्सिलमाने ने बताया, 'यहां पुरुष जाकर इन लड़कियों से शादी करने की वकालत करते हुए धर्म के आधार पर इसे उचित ठहरा रहे हैं। और भले ही वे कम उम्र की हों, हम उनसे शादी कर उन्हें बचाएंगे। महिलाओं और लड़कियों के बारे में ऐसी आपत्तिजनक सामग्री ऑनलाइन के मामले में इस सप्ताह एराचिडिया शहर के एक 20 वर्षीय छात्र को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, इस लड़के ने ऑनलाइन पोस्ट के जरिए लोगों को भूकंप प्रभावित क्षेत्रों की यात्रा करने की सलाह दी थी, ताकि वहां से लड़कियों को जाल में फंसाया जा सके। नाबालिग लड़कियों की जबरन शादी, तस्करी और यौन उत्पीड़न के अलावा मासिक धर्म को लेकर सेनेटरी पैड भी चर्चा का विषय बना हुआ है। यहां की लड़कियों को इनके इस्तेमाल के बारे में भी नहीं मालूम है, ऐसा माना जा रहा है कि आपराधिक तत्व इनको मासिक धर्म रोकने का बहाना देकर उन्हें शादी करने के लिए बरगला रहे हैं।

अजरबैजान व आर्मेनिया के बीच छिड़ी जंग, चार सैनिकों सहित दो नागरिकों की मौत

आर्मेनिया । अजरबैजान और आर्मेनिया के बीच युद्ध शुरु हो गया है। ताजा जानकारी के मुताबिक इसमें चार सैनिकों तथा दो आम लोगों की जान चली गई है। यहां दोनों देशों के बीच संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा है। अजरबैजान के रक्षा मंत्रालय ने जानकारी देते हुए बताया कि आर्मेनिया के नियंत्रण वाले नागोर्नो-काराबाख में तोपखानों से समर्थन देते हुए अपने सैनिकों को भेजा हुआ है। साथ ही इसे एक आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन बताया। अजरबैजान ने चेतावनी देते हुए कहा है कि जब तक आर्मेनियाई सेना आत्मसमर्पण नहीं करती उसका अभियान नहीं रुकेगा। अजरबैजान की ओर से सैन्य आक्रमण शुरू करने से पहले उसके चार सैनिकों की मौत हो गई, दो आम नागरिक लैंडमाइन की चपेट में आने से मारे गए। अजरबैजान के रक्षा मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी।

अजरबैजान बलों ने विवादित नागोर्नो-काराबाख क्षेत्र में अर्मेनियाई ठिकानों पर गोलीबारी की है। इस बीच, जातीय अर्मेनियाई अधिकारियों ने दावा किया कि क्षेत्र की राजधानी के आसपास तोपखाने की गोलीबारी में कम से कम दो नागरिक मारे गए और 11 घायल हो गए। आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच वर्षों से तनाव व्याप्त है। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक क्षेत्र की राजधानी में भारी तोपखाने की गोलीबारी में कम से कम दो नागरिक मारे गए, जबकि 11 अन्य घायल हो गए। अजरबैजान मंत्रालय ने कहा कि अर्मेनिया के सशस्त्र बलों के खिलाफ और सैन्य संपत्तियों पर हाई-टेक्नोलॉजी वाले हथियारों का इस्तेमाल करते हुए केवल वैध सैन्य लक्ष्यों पर हमला किया गया था। इस मामले में नागोर्नो-काराबाख मानवाधिकार लोकपाल ने कहा कि अजरबैजान की सेना के हमलों में 2 नागरिक मारे गए और 23 घायल हो गए है।

यूक्रेन पर रूस के हमले के बीच, रूसी ड्रोन हमले से क्षतिग्रस्त एक औद्योगिक गोदाम की साइट पर काम करते अग्निशामक।

जापानियों को मिला है लंबी उम्र का वरदान, हर 10 में एक की आयु 80 साल के पार

टोक्यो । जापान दुनिया का इकलौता ऐसा देश है जहां पर बुजुर्गों की आबादी सबसे ज्यादा बताई गई है। यहां हर 10 में से 1 बुजुर्ग 80 की आयु पार कर चुका है। आंकड़ों के अनुसार यहां बुजुर्गों की आबादी का प्रतिशत सबसे अधिक है। इसके पीछे एक बड़ी वजह बर्थ रेट को बढ़ाने के लिए लगातार किए जा रहे सभी प्रयास असफल साबित होना भी है। इसके चलते ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि 2040 तक जापान में बुजुर्गों की आबादी 34.8 प्रतिशत हो जाएगी। पिछले साल जापान में जन्म लेने वाले शिशुओं की संख्या 800,000 से कम रिकॉर्ड हुई है जोकि 19वीं शताब्दी के शुरू होने के बाद पहली बार दर्ज हुई है। जापान के आंतरिक मामलों के मंत्रालय का अनुमान है कि देश में 10 में से एक व्यक्ति की उम्र 80 या उससे अधिक है क्योंकि पहली बार जापान की आबादी में 80 से अधिक उम्र के लोगों की हिस्सेदारी 10प्रतिशत से अधिक है। जापान के मंत्रालय की ओर से वृद्ध दिवस पर सालाना रिपोर्ट जारी करते हुए जन्म दर में लगातार आ रही कमी पर चिंता जाहिर की गई है। रिपोर्ट की माने तो जापान दुनिया का वह सबसे पुराना देश बन गया है जहां पर 65 साल से ज्यादा उम्र के लोगों का अनुपात ज्यादा है। जापान में इस साल 65 वर्ष के लोगों की आबादी का अनुपात 29.1 फीसदी रिकॉर्ड किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक 65 या उससे अधिक उम्र के लोगों की संख्या पिछले साल के मुकाबले 10,000 कम होकर 36.2 मिलियन रह गई है।

हिंदुओं को कनाडा से भारत भेजने वाले खालिस्तानी पन्नू की धमकी पर जस्टिन ट्रूडो ने साधी चुप्पी

ओटावा (एजेंसी)। खालिस्तान आंदोलन को आगे बढ़ाने वाले गुरवंत सिंह पन्नू ने कनाडा में रहने वाले हिंदुओं को धमकाया है। पन्नू ने साफ कहा है कि भारतीय-कनाडाई हिंदुओं को कनाडा छोड़कर चले जाने में ही भलाई है। इधर पन्नू की धमकियों के बावजूद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो चुपचाप बैठे हुए हैं। बता दें कि भारत और कनाडा के बीच खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर तनातनी जारी है। हाल ही में पन्नू का एक वीडियो सामने आया है जिसमें उसे भारत को धमकाते हुए देखा जा सकता है। इसके साथ ही उसने 29 अक्टूबर के वैंकुवर में जनमत संग्रह के लिए कनाडा में बसे सिखों से वोटिंग करने के लिए कहा है। पन्नू का वीडियो सुनकर सन् 1990 के दशक में कश्मीरी पंडितों के साथ जो गुजरा था, वो वाकया याद आ जाएगा। गौरतलब है कि पन्नू को भारत ने आतंकी घोषित किया हुआ है। पन्नू यह को कहते हुए सुना जा सकता है, भारतीय-हिंदुओं ने कनाडा के संविधान का अपमान किया है। इसलिए कनाडा को छोड़ दो, भारत चले जाओ। खालिस्तान समर्थक सिख हमेशा कनाडा के प्रति वफादार रहे हैं और उन्होंने हमेशा कनाडा का पक्ष लिया है। उन्होंने कनाडा के संविधान और कानून का सम्मान किया है।

यहां गौरतलब है कि भारत ने एसएफजे को साल 2019 में बैन कर दिया था। वीडियो में पन्नू

कहता है, अक्टूबर 29 को किल इंडिया कैंपेन में हिस्सा लेने के लिए सभी सिखों को वैंकुवर में रहने की अपील करता हूं। वह वोट करें कि भारत के उच्चायुक्त संजय वर्मा हरदीप सिंह निज्जर के लिए जिम्मेदार हैं?वीडियो के बाद हिंदू मूल की कनाडा की मंत्री अनीता आनंद ने शांति की अपील की है। एक पोस्ट में एक्स पर,आनंद ने कहा कि दक्षिण एशियाई और भारत से आने वाले परिवार, धर्म की परवाह किए बिना, इस भावना को साझा करेंगे कि ट्रूडो के बयान को सुनना मुश्किल था। उन्होंने कहा, यह कानूनी प्रक्रिया को जारी रखने का समय है सभी शांत, एकजुट और सहानुभूतिशील रहें। बता दें कि पन्नू का यह वीडियो तब आया है जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर की हत्या के लिए भारत सरकार के एजेंट्स को जिम्मेदार ठहराया है। ट्रूडो ने देश की संसद में कहा कि 18 जून को हुई निज्जर की हत्या के बीच संभावित संबंध था। इन गंभीर आरोपों के कारण दोनों देशों के वरिष्ठ राजनयिकों को देश से निकाल दिया गया है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में तुर्की ने फिर उठाया कश्मीर मुद्दा

जिनेवा (एजेंसी)। कश्मीर मुद्दे पर तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने कहा है कि बातचीत के जरिए भारत और पाकिस्तान द्वारा इसे सुलझाने से क्षेत्र में स्थिरता आएगी। मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र आम सभा में एर्दोगन ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत एवं सहयोग के माध्यम से कश्मीर में न्यायसंगत और स्थायी शांति की स्थापना से ही दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। इस दिशा में उठाए जाने वाले कदमों का तुर्की समर्थन करेगा। उनकी यह टिप्पणी पिछले दो वर्षों की तरह ही हल्की थी और संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों या सीधे मध्यस्थता की पेशकश के संदर्भ से बचते हुए, यह भारत की स्थिति के करीब थी कि कश्मीर विवाद एक द्विपक्षीय मामला है।

एर्दोगन ने वर्ष 2020 में कश्मीर की स्थिति को ज्वलंत मुद्दा बताते हुये कश्मीर के लिए विशेष दर्जा समाप्त करने की आलोचना की थी। पिछले साल, उन्होंने जोर देकर कहा था कि संकल्प अपनाए जाने के बावजूद, अभी भी कश्मीर में 80 लाख लोग फंसे हुए हैं। पिछले साल, केवल एर्दोगन और तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर मुद्दे का उल्लेख किया था। एर्दोगन ने इस्लाम के नाम पर महिलाओं और लड़कियों को शिक्षा और अधिकांश काम से वंचित करने वाले तालिबान शासन की ओर संकेत दिया कि अगर वह प्रतिबंध हटा लेता है तो उसके शासन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार किया जाएगा।

उन्होंने कहा, कि अंतरिम (अफगानिस्तान) सरकार का एक समावेशी प्रशासन में परिवर्तन, जिसमें समाज के सभी वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व मिले, अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में अफगानिस्तान को सकारात्मक रूप से स्वीकार करने का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने उइघुर अल्पसंख्यकों, जो ज्यादातर मुस्लिम हैं, के साथ व्यवहार के लिए चीन की आलोचना करते हुए कहा कि हम उइघुर तुर्कों के मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता की सुरक्षा के संबंध में अपनी संवेदनशीलता व्यक्त करना जारी रखेंगे, जिनके साथ हमारे मजबूत ऐतिहासिक और मानवीय संबंध हैं। एर्दोगन ने कहा कि सुरक्षा परिषद विश्व सुरक्षा की गारंटर नहीं रह गई है और केवल पांच देशों की राजनीतिक रणनीतियों के लिए युद्ध का मैदान बन गई है।

भारत-कनाडा विवाद के बीच पाकिस्तान ने उठाया कुलभूषण जाधव का मामला

इस्लामाबाद (एजेंसी)। आतंकवादी निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा के बीच विवाद चल ही रहा है कि इधर पाकिस्तान ने कुलभूषण जाधव का मामला उठा दिया है। मिली जानकारी के अनुसार खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर चल रहे विवाद में अब पाकिस्तान भी कूद पड़ा है। पाकिस्तान के विदेश सचिव सयरुस काजी ने कुलभूषण जाधव वाला राग फिर से अलापते हुए कहा कि कनाडा के खुलासे से उसे कोई आश्चर्य नहीं है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र में हिस्सा लेने न्यूयॉर्क पहुंचे काजी ने भारत पर आतंकवाद फैलाने का बेबुनियाद आरोप लगा दिया। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान ने भारतीय नौसेना के अधिकारी कुलभूषण जाधव को बलूचिस्तान से अरेस्ट किया हुआ है। कुलभूषण जाधव को पाकिस्तानी कोर्ट ने जासूसी के आरोप में मौत की सजा सुनाई है।

गौरतलब है कि खालिस्तान के हमदर्द बने कनाडा के प्रधानमंत्री ने अपने आरोप के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया है लेकिन पाकिस्तानी विदेश सचिव ने दावा किया कि इसमें कुछ सच्चाई जरूर है। काजी ने कहा कि कुलभूषण जाधव पाकिस्तान को अस्थिर करने में लगे हुए थे। लश्कर को पालने वाले पाकिस्तान ने कश्मीर को लेकर भी जहर उगला और आरोप लगाया कि भारत आतंकवाद फैला रहा है। एक दिन पहले ही पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने भारत के खिलाफ हमला बोला था। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से कहा था कि वह भारत को हिंदू और आतंकी राष्ट्र स्वीकार कर ले। बिलावल ने कहा, ट्रूडो का बयान बहुत बड़ा आरोप है। दुनिया के सामने भारत का खुलासा हो गया है। कब तब पश्चिमी देश और हमारे मित्र भारत के कृत्य की अनदेखी करते रहेंगे।

इतना ही नहीं पाकिस्तानी विदेश सचिव ने कहा कि केयरटेकर प्रधानमंत्री संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर का मुद्दा उठाएंगे। बता दें कि कुलभूषण जाधव को पाकिस्तान ने ईरान की सीमा से पकड़ लिया था। कुलभूषण जाधव को यातना देने के बाद पाकिस्तान ने जबरन उनसे वीडियो जारी कराया। पाकिस्तान भारत पर आतंकवाद फैलाने के आरोप लगा रहा है लेकिन यह सच है कि खुद कश्मीर में बड़े पैमाने पर आतंकी भेज रहा है। ये आतंकी आए दिन भारतीय सुरक्षा बलों पर हमले करते रहते हैं।

राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में भारतवंशी निक्की हेली बाइडेन से आगे निकले

-एक सर्वे में हुआ नया खुलासा, 41 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने किया हेली का समर्थन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में इन दिनों राष्ट्रपति चुनावों की तैयारी चल रही है। इस दौरान एक नए सर्वेक्षण ने सभी को चौंका दिया है। सर्वे के अनुसार भारतीय-अमेरिकी और पूर्व संयुक्त राष्ट्र राजदूत निक्की हेली राष्ट्रपति जो बाइडेन से आगे निकल गए हैं। हालांकि वह भारतीय मूल के ही विवेक रामास्वामी से आगे हैं। इस सप्ताह जारी हार्वर्ड कैप्स-हैरिस पोल सर्वेक्षण में पाया गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों में डोनाल्ड ट्रम्प, हेली और टिम स्कॉट से पीछे चल रहे हैं, लेकिन भारतीय-अमेरिकी उद्यमी विवेक रामास्वामी और फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस से आगे हैं। जब 2024 में हेली और बाइडेन के बीच एक काल्पनिक मुकाबले के बारे में पूछा गया, तो 41 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि वे हेली का समर्थन करेंगे, जबकि 37 प्रतिशत ने कहा कि वे वर्तमान मौजूदा राष्ट्रपति का समर्थन करेंगे। इक्कीस प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि वे नहीं जानते या अनिश्चित हैं कि वे किसका समर्थन करेंगे, बाइडेन का या हेली।

हार्वर्ड सीएपीएस, हैरिस पोल के सह-निदेशक मार्क पेन ने बताया कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि राष्ट्रपति जो बाइडेन राष्ट्रीय सर्वेक्षण संख्या में पिछड़ रहे हैं और अब कई उम्मीदवार उनसे आगे हैं। यह एक नया विकास है क्योंकि हेली जैसे गैर-ट्रम्प संभावित विरोधियों को एक्सपोज़र मिलता है। सर्वेक्षण में पाया गया कि 44 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि वे ट्रम्प को वोट देंगे, जबकि 40 प्रतिशत ने कहा कि वे बाइडेन का समर्थन करेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, अलग-अलग 15 प्रतिशत ने कहा कि वे अनिश्चित थे या उन्हें नहीं पता था, जो जुलाई में इसी तरह के हार्वर्ड सीएपीएस-हैरिस पोल से काफी हद तक अपरिवर्तित थे, जिसमें ट्रम्प को 45 प्रतिशत और बाइडेन को 40 प्रतिशत वोट मिले थे।

जब बाइडेन और स्कॉट के बीच मुकाबले के बारे में पूछा गया, तो 12-14 सितंबर तक 2,103 पंजीकृत मतदाताओं के साथ किए गए सर्वेक्षण में बाइडेन को 37 प्रतिशत वोट मिले, जबकि स्कॉट को 39 प्रतिशत वोट मिले। बाइडेन ने दौड़ में अन्य भारतीय-अमेरिकी विवेक रामास्वामी से बेहतर प्रदर्शन किया। इस 80 वर्षीय व्यक्ति ने पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस और डेसेंटिस के खिलाफ भी अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन कई नकारात्मक सर्वेक्षण राष्ट्रपति के लिए उनकी उम्र को एक मुद्दा बताते हैं। अमेरिका के अब तक के सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति बाइडेन ने हाल ही में कहा था कि ऐसा लगता है कि बहुत से लोगों का ध्यान उनकी उम्र पर केंद्रित है।

पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ ने पाकिस्तान की गरीबी का रोया दुखड़ा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने देश में व्याप्त गरीबी का दुखड़ा रोया है। नवाज ने देश में आई उथल-पुथल के लिए पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा और पूर्व जासूस फैज हमीद को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा ?कि आज भारत चांद पर पहुंच गया है, जी20 की बैठक भारत में हो रही है और पाकिस्तान दुनिया भर के देशों से एक अरब डॉलर की भीख मांग रहा है। शरीफ ने भारत की आर्थिक वृद्धि की सराहना करते हुए पाकिस्तान से इसकी तुलना करते हुए कहा कि, यह अफसोस की बात है कि पाकिस्तान गले तक कर्ज में डूबा हुआ है और इसे नहीं चुकाने की कगार पर है, और देश के प्रधानमंत्री को भीख का कटोरा लेकर पैसा मांगने के लिए बीजिंग और अरब देशों की राजधानियों में जाना पड़ रहा है। यहां गौर करने वाली बात यह है कि पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा और पूर्व जासूस और इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (डीजी-आईएसआई) के महानिदेशक फैज हमीद को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का समर्थन प्राप्त था। बाजवा का कार्यकाल खान के शासनकाल के दौरान बढ़ाया गया था। पाकिस्तान में चुनाव एक विवादास्पद मुद्दा बन गया है क्योंकि न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका चुनाव की तारीखों को लेकर खींचतान में उलझे हुए हैं। इससे पहले अगस्त में, पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने कहा था कि चुनाव जनवरी 2024 में हो सकते हैं, लेकिन पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी, जो इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी से हैं, ने कहा कि चुनाव संवैधानिक आदेश के अनुसार, नवंबर में होंगे।

बाढ़ से लीबिया हुआ परेशान, 2 और डैम ला सकते हैं तबाही

-3,958 से अधिक लोगों की मौत के बाद यूएन ने दी महामारी की भी चेतावनी

ट्राईपोलि (एजेंसी)। अफ्रीकी देश लीबिया में इन दिनों बाढ़ से भयंकर तबाही बची हुई है। बता दें कि पिछले 10 सितंबर को आई 'महाविनाशकारी' बाढ़ में 3,958 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। अब फिर यहां के 2 डैम तबाही ला सकते हैं। बता दें कि भूमध्यसागर में आए चक्रवाती तूफ़ान 'डेनियल' की वजह से 2 बांध टूट गए थे, जिससे डर्ना शहर में भयंकर बाढ़ आ गई थी। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों की समन्वय एजेंसी ने चेतवानी जारी की है कि लीबिया में दो अन्य बांध टूट सकते है। हालांकि, अपने विरोधाभासी बयान में यूएन की इस एजेंसी ने कहा कि ऐसा तत्काल नहीं होगा, लेकिन इनका सही से रखरखाव नहीं हुआ तो भविष्य में कुछ ऐसी ही तबाही आ सकती हैं। उधर, यूएन ने एक अन्य बयान में बताया कि बाढ़ से मची तबाही से जल-जनित बीमारियां भी लीबिया में 'महामारी' फैला सकती हैं। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी लीबिया के दो अन्य बांध जाजा और कतरा के बारे में बात कर रही थी। लेकिन उन्होंने इन दोनों बांधों के बारे में अस्पष्ट बयान दिया है। पहले कहा ?कि इन दोनों बांधों से खतरा है, लेकिन आगे उन्होंने बताया कि ये सुचारू रूप से चल रहे हैं।

जाजा बांध बाढ़ प्रभावित शहर डर्ना और बेंगाजी शहर के बीच स्थित है। वहीं बेंगाजी शहर के पास ही स्थित कतरा बांध है। ओसीएचए के अधिकारियों ने बताया कि जाजा बांध का दबाव कम करने और सुचारू रूप से संचालन के लिए पंप लगाए जा रहे हैं। मालूम हो कि 10 सितंबर को लीबिया में बांध टूटने की वजह से भयंकर बाढ़ आई थी। लेकिन डर्ना सबसे ज्यादा प्रभवित शहर था। यूएन ने इस तबाही में सबसे पहले 11,000 लोगों के मारे जाने की बात कही थी, लेकिन सोमवार को नए आंकड़ों के मुताबिक 3,958 लोगों की मरने की खबर है।

संयुक्त राष्ट्र और सहायता समूहों ने डर्ना और पूर्वी लीबिया के अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को दूषित पानी के कारण हैजा, दस्त, निर्जलीकरण जैसी गंभीर बीमारी के खतरे की चेतावनी दी है। सिविल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर अब्देलवानीस अशूर ने यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ प्योर एंड एप्लाइड के अपने पिछले साल के पेपर में इस बांध के खतरे के बारे में सरकार और संबंधित अधिकारियों को आगाह किया था।

आईआरसी ने कहा कि पूर्वी शहर डर्ना में पहले से ही कम से कम 55 बीमार बच्चों के ममले सामने आए हैं, जो दूषित पानी पीने के कारण बीमार हो गए हैं। आईआरसी के लीबिया में डायरेक्टर एली अबौओन ने कहा कि डर्ना और अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति गंभीर है, बुनियादी मानवाधिकार के तहत लोगों तक स्वच्छ पानी पहुंचाने की कोशिश जारी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मरे चुके पुलिसकर्मी को पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाते समय हुई हलचल

लुधियाना । पंजाब पुलिस कर्मचारी मनप्रीत इस वक्त सुर्खियों में है। दरअसल मनप्रीत को परिवार वाले इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में लेकर आए थे। परिजनों के अनुसा मनप्रीत को जहरीले कीड़े द्वारा काट लिया गया था और डॉक्टरों द्वारा मनप्रीत को लगातार 2 से 3 दिन तक वैंटिलेटर पर भी रखा गया। फिर अस्पताल स्टाफ ने उन्हें बताया कि मनप्रीत की मौत हो गई है। मगर जिस वक्त मनप्रीत के शव को एम्बुलेंस में पोस्टमॉर्टम के लिए ले जा रहे थे, तब मनप्रीत के शरीर में हलचल महसूस हुई नब्ज चेक की गई तब वह चल रही थी। पिता रामजी के मुताबिक डॉक्टर ने कहा कि मनप्रीत की हालत इतनी नाजुक है कि अगर वैंटिलेटर से उतारा गया, तब 3 मिनट बाद ही उसकी मौत हो जाएगी। पिता ने बताया कि रात करीब ढाई बजे उन्हें अस्पताल के स्टाफ ने बताया कि उनके बेटे की मौत हो गई है और अस्पताल प्रशासन ने उन्हें सुबह 9 बजे शव देने की बात कही। सुबह जब मनप्रीत के शव को एंबुलेंस में पोस्टमार्टम के लिए ले जाया जा रहा था, तब मनप्रीत के साथी पुलिस कर्मीयों ने महसूस किया कि मनप्रीत की नब्ज चल रही है। जिसके बाद मनप्रीत को तुरंत डीएमसी अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। जब एम्स बस्सी अस्पताल के डॉ.साहिल से बात की गई, तब उन्होंने बताया कि मनप्रीत जब उनके पास आया था, तब उसकी किडनी फेल थी। बीपी में भी लगातार गड़बड़ होने के कारण उसकी हालत बहुत खराब थी। मनप्रीत के परिवार ने उन्हें नहीं बताया था कि बेटे को किसी जहरीले कीड़े ने काटा है। उन्होंने सिर्फ यही कहा था कि उनके बेटे की लात और बाजू पर जख्म है। देर रात उन्होंने मनप्रीत के पिता से कह दिया था कि उनका बेटा बचने की हालत में नहीं है। जिसके बाद परिवार ने सुबह मरीज को ले जाने की बात कही। डॉक्टर साहिल के अनुसार उन्होंने या उनके स्टाफ में से किसी ने भी परिवार से मनप्रीत की मौत होने की बात नहीं बोली। अस्पताल से मरीज को जिंदा ही भेजा गया था उनका स्टाफ ही मरीज को ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ डीएमसी में छोड़कर आया है। अगर मनप्रीत की मौत हुई होती,तब डेथ समरी भी जारी की जाती। लिहाजा यह आरोप झूठे और बेबुनियाद है।

राजनेता जनता की रोटी कपड़े के लिए सोचें, सनातन, धर्म गुरुओं का विषय -उमा

सीहोर । पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने सनातन धर्म पर उठे विवाद पर कहा,सनातन धर्म को लेकर जो भी बोलना है। वह धर्म गुरु बोलें। उन्होंने राजनेताओं से कहा है कि वह जनता के लिए रोटी कपड़ा और मकान की चिंता करें। सनातन धर्म के बारे में विचार रखना और उसकी रक्षा करने का काम धर्मगुरु करेंगे। उमा भारती सीहोर के प्राचीन गणेश मंदिर पहुंची थी जहां पर उन्होंने यह बयान दिया। उमा भारती ने महिला आरक्षण विधेयक पर बोलते हुए कहा कि यह विधेयक 1996 में तत्कालीन प्रधानमंत्री देवगोड़ा ने प्रस्तुत किया था। हमने उस समय इस बिल का स्वागत किया था। इसके बाद यह बिल स्टैंडिंग कमेटी में चला गया था। उमा भारती ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बिल को उस संशोधन के साथ पारित करेंगे। जो संशोधन उन्होंने उस समय दिया था। कमजोर और गरीब वर्ग की महिलाओं को आरक्षण का लाभ मिले। उमा भारती ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की है। सभी वर्गों को महिलाओं को आरक्षण प्राप्त होना चाहिए।

हर साल 10 मिलियन कैंसर के नए मामले आते हैं सामने

नई दिल्ली । वर्तमान समय में दुनिया भर में हर साल 10 मिलियन कैंसर के नए मामले सामने आते हैं। बीमारी के प्रति जागरुकता न होने के कारण कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। यह कहना है विश्व स्वास्थ्य संगठन का। कैंसर के शुरुआती लक्षण थकान, खांसी, सांस लेने में परेशानी होना, निगलने में दिक्कत होना, त्वचा पर गांठ महसूस होना, वजन बढ़ना या फिर कम होना, त्वचा का रंग बदलना और रात में पसीना आना, मांसपेशियों में दर्द होते रहना, मल में खून आना जैसे कई कारण हो सकते हैं। इसके बढ़ने के कई कारण होते हैं। शरीर में कुछ सेल जब अनियंत्रित रुप से बढ़ने लगे तो कैंसर की शुरुआत होती है। अनियंत्रित तौर पर बढ़ने वाली यह कोशिकाएं पूरे शरीर में फैलकर शरीर के बाकी सेल्स को भी नुकसान पहुंचाती हैं। इसके शुरुआती लक्षणों पर गौर करके बीमारी से काफी हद तक बचा जा सकता है।हालांकि कुछ अनुवांशिक कारणों से भी यह हो सकता है। ऐसे में यदि आपके घर में किसी को कैंसर है तो समय रहते अपना टेस्ट जरुर करवाएं। इसके अलावा तंबाकू और सिगरेट मुंह का कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, पैंक्रियाटिक कैंसर का कारण बनते हैं। दिनचर्या में हम जो भी खाते-पीते हैं जिस हवा में सांस लेते हैं उनमें ऐसे कई तरह के तत्व मौजूद होते हैं जो कैंसर का कारण बनते हैं। आजकल मार्केट में पाए जाने वाला ज्यादा फल और सब्जियां कीटनाशकों से दूषित होती है जिनका सेवन करने से शरीर पर गलत असर पड़ता है। ऐसे में कुछ फूड्स भी कैंसर का कारण बनते हैं। ऑफिस, घर के चलते जो लोग खुद को एक्टिव नहीं रख पाते हैं उन्हें कैंसर की संभावना ज्यादा होती है। शोध की मानें तो जो लोग एक्सरसाइज करते हैं उनमें इस खतरनाक बीमारी का जोखिम कम होता है। हर हफ्ते में 150 मिनट एक्सरसाइज या योग जरुर करना चाहिए। कैंसर से बचाव के लिए खुद को फिट रखना जरुरी है। इसके अलावा जो लोग धूम्रपान या कैंसर का सेवन करते हैं वह भी इस खतरनाक बीमारी की चपेट में आ सकते हैं। एल्कोहल का सेवन करने वाले लोग भी इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं। धूम्रपान और एल्कोहल का सेवन करने से लिवर कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर का जोखिम काफी हद तक बढ़ता है। इसलिए कैंसर से बचने के लिए इन सारे पदार्थों से दूरी बनाकर रखें।

चेन्नई जा रहे विमान का आपात गेट खोलने से मची हड़कम्प के बाद आरोपी गिरफ्तार

नईदिल्ली। दिल्ली से चेन्नई जा रही 6ई 6341 इंडिगो विमान उस समय अफरा-तफरी मच गयी जब एक यात्री ने इमरजेंसी गेट खोलने की कोशिश की। यात्री की पहचान मणिकंदन के रूप में हुई है। यात्रियों की जान जाखिम में डालने वाले इस यात्री को एयरपोर्ट अधिकारियों को सौंप दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, आगे की जांच के लिए आरोपी को सीआईएसएफ को सौंप दिया गया है। इंडिगो कंपनी भी यात्री के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराएगी क्योंकि उसने अपनी ही नहीं बल्कि दूसरों की जान भी जोखिम में डाली। बता दें कि इससे पहले भी 8 जुलाई को हैदराबाद से दिल्ली जा रही इंडिगो फ्लाइट में एक यात्री ने टेक ऑफ के दौरान विमान के इमरजेंसी गेट का कवर खोल दिया था। इसकी शिकायत दिल्ली एयरपोर्ट पर की गई थी। फ्लाइट लैंड होते ही आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर हिरासत में ले लिया गया था।

बुजुर्ग आदिवासी को भाजपा मंडल अध्यक्ष ने चप्पलों से पीटा

अनूपपुर । अनूपपुर जिले के मंडल भाजपा अध्यक्ष की गुंडागर्दी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में भाजपा मंडल अध्यक्ष जय गणेश दीक्षित एक बुजुर्ग आदिवासी को चप्पलों से पीट रहे हैं। मंडल अध्यक्ष के साथ जो अन्य लोग हैं। वह भी आदिवासी बुजुर्ग के साथ बदसलूकी वीडियो में करते हुए दिख रहे हैं। घटना जिले के बेरीबांध और जुमड़ी के बीच की बताई जा रही है। अनूपपुर-अमरकंटक रोड पर एक पिकअप ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी थी। जिसमें बाइक सवार आदिवासी बुजुर्ग भोम सिंह उम्र 60 वर्ष की मौत हो गई थी। 57 साल का सह सवार घायल हो गया था। एक्सीडेंट की सूचना मिलने के बाद भाजपा नेता जय गणेश दीक्षित मौके पर पहुंचे। आदिवासी से वह दुर्घटना के बारे में जानकारी ले रहे थे। उसको कोई जानकारी नहीं थी। इससे नाराज होकर दीक्षित ने उसे चप्पलों से पीट दिया। मंगलवार से यह वीडियो बड़ी तेजी के साथ वायरल हो रहा है। पुलिस ने बुजुर्ग के साथ मारपीट के मामले में दो आरोपी जितेंद्र कुशवाहा और जय गणेश दीक्षित के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की अभी तक जांच कर रही है।

11 राज्यों में पुष्पराज पटेल के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज

नर्मदापुरम । कांग्रेस के जिला अध्यक्ष पुष्पराज पटेल पर मध्य प्रदेश सहित 11 राज्यों में मानहानि का मामला दर्ज कराया गया है। किसान मोर्चा संगठन के राष्ट्रीय संयोजक शिवकुमार कक्का जी के ऊपर पुष्पराज सिंह ने ढाई लाख किसानों के हितों को बेचने का आरोप लगाया था। पुष्पराज के इस बयान से नाराज होकर मध्य प्रदेश सहित 11 राज्यों में पुष्पराज के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज हुये है।

बीजेपी के जय पांडा ने कनाडा पर निशाना साधा निशाना, कहा-

भारत को क्यूबेक जनमत संग्रह में भी करनी चाहिए सहायता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा ने बुधवार को कहा कि क्यूबेक स्वतंत्रता आंदोलन को सुविधाजनक बनाने के लिए भारतीय धरती की पेशकश की जानी चाहिए, जैसे कनाडा खालिस्तानियों को अनुमति देने के लिए विचारशील रहा है। उनकी यह टिप्पणी खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा के बीच चल रही तनातनी के बीच आई है। उन्होंने कहा कि शायद हमें क्यूबेक स्वतंत्रता आंदोलन के कार्यक्रमों के लिए भारतीय मिट्टी की पेशकश भी करनी चाहिए।

पांडा ने सिफारिश की कि भारतीय नेताओं को निर्वाचित कनाडाई नेताओं से मिलना चाहिए जो क्यूबेक की स्वतंत्रता के लिए समर्थन व्यक्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें उनसे मिलना चाहिए और उनके विचारों को समझना चाहिए। भारत-कनाडाई मित्रता और सहयोग की भावना मे, मुझे यहां दिल्ली में उनके लिए एक बातचीत की मेजबानी करने में खुशी होगी। कनाडा में खालिस्तानी आंदोलन और भारत विरोधी गतिविधियों को लेकर भारत और कनाडा के बीच कूटनीतिक विवाद चल रहा है। हालिया विवाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के आरोपों से उपजा है। भारत ने इससे पहले ओटावा में मामले को लेकर एक भारतीय अधिकारी को निष्कासित करने के बदले में एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को बाहर कर दिया था, जिससे दोनों देशों के बीच संबंधों में तनाव बढ़ गया था।

क्यूबेक स्वतंत्रता आंदोलन, जिसे क्यूबेक संप्रभुता आंदोलन के रूप में भी जाना जाता है। इसका उद्देश्य कनाडा से क्यूबेक की स्वतंत्रता प्राप्त करना है। आंदोलन के उन हिस्सों का मानना है कि क्यूबेक अपने आर्थिक, सामाजिक, पारिस्थितिक और सांस्कृतिक विकास के लिए और अधिक अच्छा करने में सक्षम होगा यदि यह कनाडा का हिस्सा नहीं है। यह 'क्यूबेक राष्ट्रवाद' के विचार पर आधारित है, जिसका उद्देश्य क्यूबेक को एक स्वतंत्र राज्य बनाना है।

अखिलेश ने भाजपा सरकार पर 'महाझूठ' से चर्चा शुरू करने का लगाया आरोप

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर महाझूठ से चर्चा शुरू करने का आरोप लगाया है। उन्होंने महिला आरक्षण को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि नयी संसद के पहले दिन ही भाजपा सरकार ने 'महाझूठ' से अपनी पारी शुरू की है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि नयी संसद के पहले दिन ही भाजपा सरकार ने 'महाझूठ' से अपनी पारी शुरू करी है। जनगणना और परिसीमन के बिना महिला आरक्षण बिल लागू हो ही नहीं सकता, जिसमें कई साल लग जाएँगे, तो भाजपा सरकार को इस आपाधापी में महिलाओं से झूठ बोलने की क्या ज़रूरत थी। भाजपा सरकार न जनगणना के पक्ष में है न जातिगत गणना के, इनके बिना तो महिला आरक्षण संभव ही नहीं है। उन्होंने कहा कि आधा-अधूरा बिल 'महिला आरक्षण' जैसे गंभीर विषय का उपहास है। इसका जवाब महिलाएं आगामी चुनावों में भाजपा के विरुद्ध वोट डालकर देंगी।

इससे पहले उन्होंने लिखा था कि महिला आरक्षण लैंगिक न्याय और सामाजिक न्याय का संतुलन होना चाहिए। इसमें पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, आदिवासी (पीडीए) की महिलाओं का आरक्षण निश्चित प्रतिशत रूप में स्पष्ट होना चाहिए। गौरतलब है कि नए संसद भवन में पहले दिन की कार्यवाही के दौरान महिला आरक्षण विधेयक लोकसभा में पेश हो गया। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इसे सदन के पटल पर रखा। लोकसभा में विधेयक पास होने के बाद इसे राज्य में पेश किया जाएगा। गुरुवार को ही इस पर राज्यसभा में चर्चा भी हो सकती है।

संविधान की प्रस्तावना से धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद शब्द हटाने का आरोप

-कांग्रेस के अधीर रंजन ने किया दावा, संविधान की नई प्रतियों से गायब हुए ये शब्द

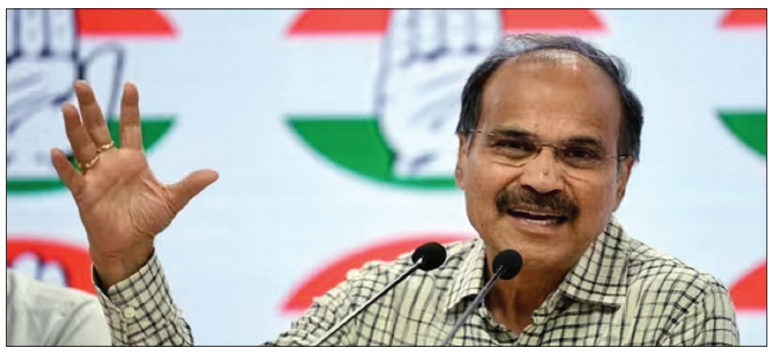

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने सरकार पर आरोप लगाया है कि संविधान की नई प्रतियों में प्रस्तावना से धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद शब्द हटा दिए गए हैं। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने इस तरह का दावा किया है। मीडिया से बात करते हुए चौधरी ने दावा किया कि संविधान की जो नई प्रतियां आज 19 सितंबर को हमें दी गईं, जिसे हम हाथ में लेकर नए संसद भवन में प्रवेश कर गए, उसमें प्रस्तावना में समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष शब्द नहीं हैं। कांग्रेस नेता चौधरी ने कहा कि भले ही 1976 में एक संशोधन के बाद इन दो शब्दों को प्रस्तावना में शामिल किया गया था, लेकिन आज कोई हमें संविधान की प्रति देता है और उसमें ये शब्द नहीं हैं, तो यह चिंता का विषय है। कांग्रेस नेता ने सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी मंशा संदिग्ध है। यह बड़ी चतुराई से किया गया है। यह मेरे लिए चिंता का विषय है। मैंने इस मुद्दे को उठाने की कोशिश की लेकिन मुझे मौका नहीं मिला। गौरतलब है ?कि नया संसद भवन मंगलवार को कामकाज के लिए खुल गया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुराने परिसर से नए भवन तक सांसदों के मार्च का नेतृत्व किया।

इस प्रक्रिया में संसद सदस्यों को संविधान की नई प्रतियां सौंपी गईं। अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि उन्हें संविधान की जो प्रति मिली थी उसकी प्रस्तावना में उन्होंने खुद 'समाजवाद' और धर्मनिरपेक्ष शब्द लिखे। चौधरी ने कहा, 'मैंने राहुल गांधी को भी इस बारे में बताया।' अब अधीर रंजन के दावे पर सरकार की प्रतिक्रिया भी आ गई है। बीजेपी नेता और केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा है कि 'जब संविधान बना था तो ऐसा ही था। उसके बाद 42वां संशोधन हुआ। ये मूल संविधान की प्रतियां हैं, जो सभी सांसदों को वितरित की गई हैं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अधीर रंजन के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जब संविधान का मसौदा तैयार किया गया था, तो यह ऐसा ही था। बाद में एक संशोधन किया गया था। यह मूल प्रति है। जानकारी के लिए बता दें कि 1976 में पारित संविधान के 42वें संशोधन ने प्रस्तावना में भारत के विवरण को 'संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य' से 'संप्रभु समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य' शब्दों में बदल दिया। 20 पृष्ठ लंबे इस विस्तृत दस्तावेज ने संसद को अभूतपूर्व शक्तियां प्रदान कीं।

सज्जन कुमार को मिली बड़ी राहत, 1984 के सिख विरोधी दंगे से जुड़े मामले में सबूतों के अभाव में बरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को आज तब बड़ी राहत मिली जब 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक मामले में स्थानीय अदालत ने उन्हें बरी कर दिया। हम आपको बता दें कि सिख विरोधी दंगों से जुड़े विभिन्न मामलों में दोषी ठहराये जाने के बाद से पूर्व सांसद सज्जन कुमार दिल्ली की जेल में बंद हैं। आज राउज एवेन्यू कोर्ट ने सज्जन कुमार समेत सभी आरोपियों को जिस मामले में बरी किया है वह सुल्तानपुरी इलाके में 3 लोगों की हत्या से संबंधित था। सज्जन कुमार पर आरोप था कि दंगों के दौरान वह भीड़ को भड़का रहे थे। इस मामले में अदालत ने सीबीआई के सभी गवाहों को सुनने और साक्ष्यों पर गौर करने के बाद सभी आरोपियों को बरी कर दिया। बताया जा रहा है कि पर्याप्त सबूत नहीं होने के आधार पर सभी को बरी किया गया है। हम आपको बता दें कि यह मुकदमा साल 2010 में कड़कड़डूमा कोर्ट में दर्ज किया गया था। सज्जन कुमार, ब्रह्मानंद, पेरु, कुशल सिंह और वेद प्रकाश के खिलाफ सिख विरोधी दंगों के दौरान सुल्तानपुरी में सिखों की हत्या के मामले में आरोप तय किया गया था।

बहरहाल, अदालत से सज्जन कुमार समेत सभी आरोपियों को बरी किये जाने के बाद जहां उनके वकीलों ने फैसले का स्वागत किया वहीं पीड़ित सिख परिवारों ने फैसले पर निराशा जताते हुए कहा है कि यह अन्याय है और वह हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक जाएंगे और सज्जन कुमार को फांसी दिलाये बिना चैन से नहीं बैठेंगे।

निपाह वायरस को लेकर राहत की खबर, केरल में पिछले चार दिनों से नहीं आया एक भी केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बुधवार को बताया कि राज्य में पिछले चार दिनों में निपाह का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। वायरस के फैलने से लोगों के लिए खतरा पैदा हो गया। उन्होंने कहा कि अब तक 323 नमूनों में से 317 का परीक्षण नकारात्मक और छह का परीक्षण पॉजिटिव रहा है। जॉर्ज के मुताबिक, 11 लोग आइसोलेशन में हैं और उनके टेस्ट नतीजे नेगेटिव हैं। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। हमारे पास छह सकारात्मक मामले थे। एक नौ वर्षीय लड़के की हालत में चिकित्सकीय सुधार हो रहा है और अन्य तीन व्यक्ति, जो पॉजिटिव हैं, उनकी भी हालत स्थिर है।

इससे पहले मंगलवार को, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा था कि कोझिकोड जिले से रिपोर्ट किया गया प्रकोप अब नियंत्रण में है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा था कि राज्य में संक्रामक बीमारी का खतरा अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, फिलहाल निपाह प्रकोप की दूसरी लहर की संभावना से इंकार करना संभव नहीं है। मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह नहीं कहा जा सकता कि निपाह का खतरा पूरी तरह खत्म हो गया है, लेकिन राहत की बात है कि यह बीमारी अधिक लोगों में नहीं फैली है। उन्होंने कहा, 'आज यहां निपाह समीक्षा बैठक आयोजित की गई। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की राय है कि दूसरी लहर की संभावना बहुत कम है लेकिन इसे पूरी तरह से खारिज नहीं किया जा सकता है।' यह देखते हुए कि राज्य स्वास्थ्य प्रणाली घातक वायरस के प्रसार को प्रभावी ढंग से रोक सकती है, उन्होंने कहा कि वायरस का शीघ्र पता लगने से खतरनाक स्थिति टल गई। उन्होंने कहा कि हालांकि संक्रमण का प्रसार नियंत्रण में है, लेकिन भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) भी इस बात का स्पष्ट जवाब नहीं दे सका कि उत्तरी कोझिकोड से निपाह के मामले क्यों सामने आ रहे हैं। सीएम ने कहा कि 36 चमगादड़ों के नमूने परीक्षण के लिए भेजे गए, लेकिन कोई वायरस नहीं मिला और आने वाले दिनों में और नमूने एकत्र किए जाएंगे।

चंद्रयान के बाद गगनयान की तैयारी पर जयराम रमेश ने ली चुटकी

-पहले दी बधाई, बाद में पीयूष गोयल के बयान पर किया कटाक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में पीयूष गोयल ने बुधवार को भारत के गगनयान मिशन की चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि चंद्रयान मिशन के बाद अब भारत गगनयान मिशन की तैयारी कर रहा है। वहीं कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने इस पर चुटकी लेते हुए सरकार पर कटाक्ष किया। राज्यसभा में पीयूष गोयल ने बताया कि गगनयान मिशन आने वाले वर्ष 2024 के लिए प्लान किया गया है। पीयूष गोयल ने इस दौरान राज्यसभा में चंद्रयान-3, आदित्य एल 1 मिशन, स्पेस मिशन में इस्तेमाल हो रही स्वदेशी तकनीक और इसरो के वैज्ञानिकों एवं कार्यकलापों का जिक्र किया। इस पर जवाब देते हुए कांग्रेस की ओर जयराम रमेश ने सर्वप्रथम इसरो के वैज्ञानिकों को चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग के लिए बधाई दी। इसके साथ ही उन्होंने कहा चुटकी लेतें हुए कहा कि सरकार द्वारा ऐसा प्रचारित किया जा रहा है कि मानो यह उपलब्धियां केवल 2014 के बाद शुरू हुई है और इसके सूत्रधार केवल प्रधानमंत्री मोदी हैं।

राज्यसभा में जयराम रमेश ने पंडित जवाहरलाल नेहरू व इंदिरा गांधी के विक्रम साराभाई के साथ सहयोग की बात कही। देश की आजादी के बाद किए गए स्पेस रिसर्च कार्यक्रमों का जिक्र किया। उन्होंने 1963 में किए गए पहले परीक्षण का भी उल्लेख किया। जयराम ने बताया कि पूर्व की सरकारें पूरी तरह इसरो और वैज्ञानिकों के साथ खड़ी रही हैं। इससे पहले नेता सदन पीयूष गोयल ने राज्यसभा में बोलते हुए कहा कि यह नया उत्साहित भारत है। गोयल ने कहा कि चंद्रयान-3 के बाद अब गगनयान मिशन उसको भी हम सफल बनाएंगे। उसके लिए भी हम सबको इसरो को शुभकामनाएं देनी चाहिए। हम सब मिलकर एक संदेश दें कि आगे आने वाले गगनयान के लिए भी इसरो सफल हो।

पीयूष गोयल ने कहा कि स्पेस से जुड़ी रिसर्च भारत को काफी आगे लेकर जाएगी। स्पेस से जो आप सीखेंगे, चंद्रयान-3 की जो उपलब्धियां होगी, उससे आगे चलकर भारत का डाटा स्ट्रक्चर डेवलप होगा। पीयूष गोयल ने इस दौरान भारत के आदित्य मिशन की भी चर्चा की। आदित्य मिशन एल 1, जो सूरज और भारत के बीच लगभग 15 लाख किलोमीटर की दूरी पर जाकर स्टेशन होगा, वहां से सूरज और सूर्य की किरणों की ताकत को स्टडी करेगा।

2024 में नहीं होंगे आम चुनाव? महिला आरक्षण लागू करने के लिए इसे 2026 तक टाला जा सकता है, पवार का बड़ा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के महाराष्ट्र विधायक रोहित पवार ने बुधवार को कहा कि उन्हें डर है कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार महिला आरक्षण विधेयक और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' योजना के कार्यान्वयन का हवाला देते हुए आम चुनाव को 2024 से 2026 तक स्थगित कर देगी। जनता के बीच उनकी (भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की) छवि को देखते हुए, 2024 के चुनावों में केंद्र में सरकार बदल जाएगी। लेकिन मुझे लगता है कि केंद्र सरकार समय पर चुनाव नहीं होने देगी। महिला आरक्षण विधेयक पेश किया गया है, लेकिन इसे 2026 के बाद ही लागू किया जाएगा। इसलिए, भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार महिला कोटा विधेयक और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का हवाला देते हुए 2026 तक चुनाव स्थगित कर सकती है।

सरकारी सेवा में नियमित कर्मचारियों की जगह संविदा कर्मचारियों को लाने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले के खिलाफ महात्मा ज्योतिबा फुले काडा में सांकेतिक उपवास के दौरान पवार ने कहा कि हर कोई महिला आरक्षण विधेयक का स्वागत करता है और महाराष्ट्र ने स्थानीय नगर निकायों के चुनावों में महिलाओं को आरक्षण देने वाला पहला राज्य बनकर इसका बीज बोया है। कर्जत-जामखेड के राकांपा विधायक ने कहा कि भाजपा जानबूझकर अपने कनिष्ठ नेताओं को सार्वजनिक रूप से अपने गठबंधन दलों के नेताओं की आलोचना करवाकर अन्य राजनीतिक दलों के लोकप्रिय राज्य नेताओं के करियर को समाप्त कर रही है।

नरेंद्र मोदी सरकार ने मंगलवार को 128वां संवैधानिक संशोधन विधेयक, 2023 पेश किया, जिसे 'नारीशक्ति वंदन अधिनियम' कहा गया, जिसमें लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों पर कोटा बढ़ाकर 33 प्रतिशत आरक्षण लाया जाएगा। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति. हालाँकि, महिलाओं के लिए आरक्षण विधेयक के पारित होने के बाद आयोजित पहली जनगणना के आधार पर परिसीमन अभ्यास पूरा होने के बाद ही लागू होगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

खटोदरा पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों से जब्त की शराब, सभी सामान के साथ 4 गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में खटोदरा पुलिस ने दो अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में शराब जब्त की है. पुलिस ने शराब की मात्रा के साथ कुल ४ आरोपियों को गिरफ्तार किया है. साथ ही पुलिस ने टेंपो समेत शराब की मात्रा जब्त कर कानूनी कार्रवाई की है. खटोदरा पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए भटार चार रास्ता सोहम सर्कल से छोटाहा से ताम्पा तक शराब की मात्रा के साथ तीन आईएसएमओ जब्त किए। पुलिस ने टम्पा से २६,३०० रुपये की शराब और १.५० लाख रुपये का एक टेम्पो जब्त किया, जिसकी कुल कीमत १.७६ लाख रुपये है। इस घटना में पुलिस ने गोरख उर्फ गौरव राजाराम बाविस्कर, बब्लू कुलचंद सोनकर और राजनकुमार राजकुमार सोनकर को गिरफ्तार कर लिया है और केस दर्ज कर पूरे मामले में कानूनी कार्रवाई की है.

सड़क पर गड्ढे के कारण ट्रोली पलटने से श्री गणेश की प्रतिमा हुई खंडित, आयोजकों में भड़का आक्रोश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वडोदरा,शहर के दिवालीपुरा क्षेत्र में प्रशासन की लापरवाही के कारण श्री गणेश जी की प्रतिमा खंडित होने से गणेश उत्सव के आयोजकों में आक्रोश भड़क उठा। श्री गणेश जी की प्रतिमा ट्रेक्टर ट्रोली में लाई जा रही थी और सड़क पर बने गड्ढे के कारण वह पलट गई। इस घटना में श्री गणेश जी की प्रतिमा खंडित होने से श्रद्धालु भावुक हो गए। वडोदरा के अयोध्यानगर गणेश मंडल के आयोजक बीती शाम श्री गणेश जी की प्रतिमा ट्रेक्टर ट्रोली में ले जा रहे थे। रास्ते में दिवालीपुरा क्षेत्र में सड़क पर गड्ढे के कारण ट्रोली अचानक पलट गई और इस घटना में श्री गणेश जी की प्रतिमा खंडित हो गई।

इस घटना को लेकर आयोजकों में आक्रोश भड़क उठा। वडोदरा कांग्रेस प्रमुख ने महानगर पालिका पर घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सड़क बनाने वाले कोन्ट्रेक्टर के खिलाफ विजिलन्स जांच कर कड़ी कार्यवाही की मांग की है।

विदेश जाने की चाह में 21 लोगों ने गंवाए डेढ करोड़ रुपए, मामला सामने आने के बाद जांच में जुटी पुलिस

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,विदेश जाने की चाह में अनेक लोगों के ठगे जाने की घटनाएं आए दिन सामने आती हैं, इसके बावजूद इससे कोई सबक नहीं लेता। सोशल मीडिया या एजन्ट के मार्फत विदेश जाने की लालच में लाखों रुपए गंवा देते हैं। ऐसी ही एक घटना सूरत से सामने आई है, जिसमें 21 लोगों ने विदेश जाने की लालच में रु 1.50 करोड़ से अधिक रकम गंवा दी। ठगी का शिकार एक शिक्षक की शिकायत के आधार पर सूरत के उमरा पुलिस थाने में एक दंपत्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक सूरत के बारडोली स्थित एक प्राइवेट स्कूल में बतौर शिक्षक सेवारत हितेश पटेल ने उमरा पुलिस थाने में दर्ज करवाई अपनी शिकायत में बताया कि उन्होंने जुलाई 2022 में फेसबुक पर यूके में गेरेन्टेड विजा का विज्ञापन देखा था और उसके बाद सूरत के डुमस रोड पर लक्जरिया बिजनेस हब स्थित वॉइस इमिग्रेशन एन्ड विजा नामक ऑफीस से संपर्क किया

शादी की लालच देकर सेना के जवान और उसके भाई ने नर्स से किया दुष्कर्म

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,शहर के एक अस्पताल में बतौर नर्स नौकरी करने वाली युवती को शादी की लालच देकर सेना के जवान और उसके भाई ने अपनी हवस का शिकार बनाया। पीड़ित युवती की शिकायत के आधार पर सूरत की सिंगणपुर पुलिस ने आर्मीमेन और उसके भाई के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही एक आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत के पालनपुर जकातनाका क्षेत्र के अस्पताल में बतौर नर्स काम करने वाले 23 वर्षीय युवती को रमेश राठवा नामक युवक ने सोशल मीडिया के जरिए अपने प्रेमजाल में फंसाया और उसके बाद उसे शादी की लालच भी दी। युवती जब जाल में फंस गई तो सेना के जवान ईश्वर राठवा ने अस्पताल के क्वार्टर में उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। जिसके बाद ईश्वर राठवा युवती को लेकर वडोदरा में रहनेवाले अपने भाई विपुल राठवा के घर पहुंचा और वहां भी उसके साथ दुष्कर्म किया। जहां युवती की अश्लील तस्वीरें और वीडियो बनाए और उसे वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता के साथ कई बार दुष्कर्म किया। पीड़ित युवती ने सूरत के सिंगणपुर पुलिस थाने में ईश्वर राठवा और उसके भाई विपुल राठवा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। जिसके आधार पर पुलिस ने विपुल राठवा को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि सेना के जवान ईश्वर राठवा को गिरफ्तार करने की दिशा में कार्यवाही तेज की है।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे